RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः233, रविवार, 31 अगस्त 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित दो मुखिया को जिलाधिकारी ने किया स्वागत 03

नीतीश कुमार के वादे भी कागज के हवाई जहाज़ की तरह ही हैं: तेजस्वी यादव 04

शिल्पा शेट्टी ने श्रीदेवी को किया याद, रीक्रिएट किया चांदनी वाला लुक 07

संसद में लगेंगे पुरी रथ यात्रा के तीन पहिए

● परिसर में संस्कृति से जुड़ा दूसरा प्रतीक होगा ● दो साल पहले सेंगोल स्थापित किया गया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद परिसर में पुरी रथ यात्रा के तीन पहिए लगाए जाएंगे। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने शनिवार को इस बात की पुष्टि की। मंदिर समिति ने बताया कि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला हाल ही में पुरी दौरे पर गए थे। मंदिर समिति की तरफ से उनको यह प्रस्ताव दिया गया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। यह तीनों पहिए भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलभद्र के रथों से निकाले जाएंगे। भगवान जगन्नाथ के रथ को नंदीघोष, देवी सुभद्रा के रथ को दर्पदलन और भगवान बलभद्र का रथ तालध्वज कहलाता है। इन तीन रथों के एक-एक पहिए दिल्ली भेजे जाएंगे। उन्हें संसद में ओडिशा की संस्कृति और विरासत के स्थायी प्रतीक के रूप में स्थापित किया जाएगा। 2023 में पीएम मोदी ने लोकसभा में सेंगोल स्थापित किया था संसद में रथ यात्रा के पहिए लगने के बाद यह परिसर में स्थापित संस्कृति से जुड़ा दूसरा प्रतीक होगा। दो साल पहले लोकसभा में सेंगोल लगाया गया था। मई 2023 संसद में स्पीकर की कुर्सी के बगल में पीएम मोदी ने सेंगोल स्थापित किया था। सेंगोल जिसे राजदंड भी कहा जाता है, उसे अंग्रेजों की तरफ से 14 अगस्त 1947 की रात पं. नेहरू को सत्ता हस्तांतरण के रूप में सौंपा गया था। 1960 से पहले यह आनंद भवन और फिर 1978 से इलाहाबाद म्यूजियम में रखा था। 75 साल बाद राजदंड का संसद में प्रवेश हुआ। संसद परिसर में पुरी रथ यात्रा के किन पहियों को लगाया जाएगा, फिलहाल इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। इस साल 27 जून को रथयात्रा निकाली गई थी। रथ यात्रा के बाद, तीनों रथों को हर साल अलग कर दिया जाता है। नंदीघोष रथ के मुख्य बढ़ई बिजय महापात्र के अनुसार, कुछ प्रमुख हिस्सों को छोड़कर, हर साल रथों के निर्माण में नई लकड़ी का उपयोग किया जाता है। अलग किए गए रथ के पुर्जों को गोदाम में रखा जाता है और उनमें से कुछ, जिनमें पहिए भी शामिल हैं, नीलाम कर दिए जाते हैं। हर साल 45 फीट ऊंचे तीनों रथ 200 से ज्यादा लोग सिर्फ 58 दिनों में तैयार करते हैं।

बिहार के बाद अब बंगाल में एसआईआर की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के बाद अब बंगाल में भी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग की सक्रियता देखने को मिल रही है। राज्य में एसआईआर को लेकर आयोग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। दरअसल, आयोग ने राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय को पत्र लिखकर 29 अगस्त तक चुनाव पंजीकरण अधिकारियों व सहायक चुनाव पंजीकरण अधिकारियों के रिक्त पदों की वर्तमान स्थिति पर रिपोर्ट जमा करने को कहा था। वहीं, सीईओ कार्यालय सूत्रों के मुताबिक कुछ कार्य बाकी रहने के कारण निर्धारित समय पर रिपोर्ट जमा नहीं की जा सकी है। अगले एक-दो दिनों में रिपोर्ट जमा की जाएगी। इससे पहले चुनाव आयोग ने आदेश देते हुए कहा था कि जिस भी मतदाता बूथ पर 1200 से अधिक मतदाता हैं, वहां नए बूथ तैयार करने होंगे।

अमेरिकी कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को बताया गैर-कानूनी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की एक अपील कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को गैरकानूनी बताया है। कोर्ट का कहना है कि ट्रम्प ने इन टैरिफ को लागू करने के लिए जिस कानून का सहारा लिया, वह उन्हें यह अधिकार नहीं देता। कोर्ट ने कहा कि ट्रम्प के पास हर आयात पर टैरिफ लगाने की असीमित शक्ति नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने इस फैसले को अक्टूबर तक लागू करने से रोक दिया है, ताकि ट्रम्प सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकें। ट्रम्प ने इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि अगर ये टैरिफ हटे, तो अमेरिका बर्बाद हो जाएगा। ट्रम्प ने कई कारणों से टैरिफ लगाए थे।

अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी पड़ गई भारी

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ अमित शाह पर टिप्पणी को लेकर एफआईआर दर्ज हुई है। यह एफआईआर कृष्णानगर की कोतवाली पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई। मोइत्रा ने इस पर व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घुसपैठ पर की गई टिप्पणी पर गुरुवार को यह बयान दिया था। इसके बाद उन पर मामला दर्ज हुआ। बीजेपी नेताओं ने मोइत्रा की टिप्पणी को घृणित और आपत्तिजनक बताया है। मोइत्रा ने सोशल मीडिया पर भी पलटवार किया है। महुआ मोइत्रा ने पीएम मोदी के घुसपैठ वाले बयान पर कहा था कि क्या हमारी सीमाओं की रक्षा करने वाला कोई नहीं है। अगर दूसरे देशों से लोग घुसपैठ कर रहे हैं, हमारी माताओं और बहनों पर बुरी नजर डाल रहे हैं, हमारी जमीन हड़प रहे हैं, तो सबसे पहले अमित शाह का सिर टेबल पर रख देना चाहिए।

घाटी में फिर 'जल' जला

11 की मौत

● अब रामबन में बादल फटा, 4 लोगों की मौत ● कश्मीर के रियासी में लैंडस्लाइड,7 शव बरामद ● पंजाब के 250 गांवों में बाढ़, आठ की गई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बदर गांव में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड हुई। मलबे से अब तक 7 शव बरामद किए गए हैं। यहां और भी लोगों के फंसे होने की आशंका है। अन्य लोगों की तलाश जारी है। वहीं, रामबन के राजगढ़ में बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति लापता है। उसकी तलाश जारी है। हिमाचल प्रदेश में मंडी के गोहर में शुक्रवार देर रात बादल फटा था। नांडी पंचायत में नसेंणी नाला में कई गाड़ियां बह गईं। शिमला के जतोग कैंट में लैंडस्लाइड हुई। सेना की रेसीडेंशियल बिल्डिंगों को खाली कराया गया। पंजाब के अमृतसर, पठानकोट समेत 8 जिलों में बाढ़ के हालात बने हैं। 250 से ज्यादा गांवों में 5 से 15 फीट तक पानी भरा हुआ है। बाढ़ में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। 3 लोग लापता हैं। उत्तराखंड के चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी और बागेश्वर में शुक्रवार को बादल फटने की घटनाएं हुईं। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई और 11 लापता हैं। बागेश्वर के कपकोट में कई घरों को भी नुकसान हुआ है। यूपी के 18 जिले बाढ़ की चपेट में है। राज्य में अब तक 774 मकान बारिश-बाढ़ में ढह चुके हैं। वाराणसी में सभी 84 घाटों का आपसी संपर्क टूटा है। जम्मू-कश्मीर के कटरा में बारिश के कारण वैष्णो देवी यात्रा 5 दिन से रुकी है। 26 अगस्त को यात्रा रूट पर लैंडस्लाइड में 34 लोगों की मौत हुई थी। महाराष्ट्र के लातूर और नांदेड़ में 50 सड़कें-पुल डूब गए हैं। पंजाब के फिरोजपुर सतलुज नदी में उफान के कारण पंजाब का बड़ा इलाका बाढ़ की चपेट में है। फिरोजपुर जिले के करीब 100 गांव प्रभावित हैं। जिला प्रशासन,एनडीआरएफ, आईटीबीपी और पुलिस लगातार रेस्क्यू में जुटे हैं।

चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी और बागेश्वर में शुक्रवार को बादल फटने की घटनाएं हुईं। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई और 11 लापता हैं। बागेश्वर के

कोई परमानेंट दोस्त या दुश्मन नहीं, परमानेंट इंटरेस्ट होता है

● टैरिफ विवाद पर राजनाथ बोले-भारत किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिकी टैरिफ पर विवाद के बीच कहा कि कोई भी देश परमानेंट दोस्त या दुश्मन नहीं होता है। सिर्फ परमानेंट इंटरेस्ट होता है। राजनाथ ने यह बात एनडीटीवी डिफेंस समिट में शनिवार को कही। उन्होंने कहा कि दुनिया में ट्रेड वॉर जैसे हालात हैं। विकसित देश तेजी से संरक्षणवादी हो रहे हैं। भारत किसी को अपना दुश्मन नहीं मानता, लेकिन हम राष्ट्रीय हित और लोगों के हितों से समझौता नहीं करेंगे। राजनाथ के इस बयान को ट्रम्प के टैरिफ के खिलाफ भारत, रूस और चीन के करीब आने की खबरों से जोड़कर देखा जा रहा है। पीएम मोदी आज ही जापान से चीन के दौरे पर रवाना हुए हैं। वे यहां एससीओ समिट में दोनों देश के राष्ट्रपति से मिलेंगे। सिंह ने कहा, हमारे लिए अपने लोगों का, किसानों का, छोटे व्यापारियों का, देशवासियों का हित सबसे ऊपर है। चाहे कितना भी दबाव डाला जाए, लेकिन भारत किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेगा। दुनिया भारत की रक्षा क्षमताओं की गवाह है। हमारी सेनाओं ने स्वदेशी हथियारों का अच्छा इस्तेमाल किया।

यूएस टैरिफ के बावजूद भारत की बल्ले-बल्ले

पीयूष बोले-अबकी पिछले साल से ज्यादा होगा भारतीय एक्सपोर्ट

गोयल ने कहा-हम न तो झुकेंगे और न ही कभी कमजोर दिखेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूनियन मिनिस्टर पीयूष गोयल ने दावा किया है कि अमेरिकी टैरिफ के बावजूद भारत का इस साल पिछले साल से ज्यादा एक्सपोर्ट होगा। दिल्ली में एक इवेंट में पीयूष गोयल ने यह बात कही है। पीयूष गोयल ने कहा कि हमें अपना एक्सपोर्ट बास्केट और बड़ा करना होगा। ताकि किसी एक देश के एकतरफा फैसले का असर ना पड़े। उन्हें उम्मीद है कि नए रिफॉर्म से घरेलू डिमांड को भी बूस्ट मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अभी तक किसी सेक्टर ने टैरिफ को लेकर कोई रोना-धोना नहीं किया है। पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में भारत का टोटल एक्सपोर्ट 824.9 बिलियन डॉलर यानी 72.71 लाख करोड़ रुपए के ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया था। गोयल ने कहा कि सरकार एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही कई उपाय लाएगी। गोयल ने आगे कहा कि एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए यूरोपियन यूनियन के साथ बातचीत जारी है। कतर, न्यूजीलैंड, पेरू और चिली के साथ भी जल्द ही डील हो जाएगी। फिलहाल यूएस टैरिफ की वजह से खास चिंता की बात नहीं है। हम साथ मिलकर आगे बढ़ते रहेंगे।

सात साल बाद चीन पहुंचे पीएम मोदी

● जबरदस्त स्वागत, एससीओ समिट में होंगे शामिल ● जिनपिंग और पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे

बीजिंग (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी दो दिन की जापान यात्रा के बाद शनिवार को एससीओ समिट में शामिल होने के लिए चीन पहुंच गए हैं। वे सात साल बाद चीन पहुंचे हैं। एससीओ समिट से इतर पीएम मोदी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। इस दौरान राष्ट्रपति पुतिन के दिसंबर में भारत दौरे के प्रोग्राम पर भी चर्चा होगी। पीएम मोदी की यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है, जब पूरी दुनिया अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की टैरिफ नीतियों से जूझ रही है। ट्रम्प ने भारत पर 50 फीसदी तो चीन पर 30 फीसदी टैरिफ लगाया है। चीन में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक एससीओ समिट की बैठक होने वाली है। इसमें 20 से ज्यादा देशों के नेता शामिल होंगे। सीएनएन के मुताबिक शी जिनपिंग इस शिखर सम्मेलन के जरिए अमेरिकी टैरिफ से राहत दिलाने वाला, एक स्थाई और वैकल्पिक देश के तौर पर पेश करने की है और इसे वो दोनों हाथों से भुनाने की कोशिश कर रहा है। इस शिखर सम्मेलन की सबसे खास बात ये होने वाली है कि इसमें भारत और पाकिस्तान जैसे कट्टर विरोधी, ईरान और सऊदी अरब जैसे ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्वी भी शामिल हो रहे हैं। सीएनएन ने एक्सपर्ट्स के हवाले से कहा है कि यही विविधता एससीओ की सबसे बड़ी ताकत है, क्योंकि यह दिखाता है कि बीजिंग, एशिया-यूरोप क्षेत्र में इतना प्रभावशाली हो चुका है, कि वह विरोधियों को भी एक ही टेबल पर बैठाकर बातचीत करवा सकता है। पाकिस्तान की यूनिवर्सिटी ऑफ लाहौर की विशेषज्ञ राबिया अख्तर ने सीएनएन से कहा है कि बीजिंग मेजबान है।

पीएम मोदी से झगड़े के बाद

अब भारत नहीं आएंगे ट्रंप

नोबेल पुरस्कार को लेकर हुई थी बहस,चीन के खिलाफ क्वाड खत्म!

वॉशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप और नरेन्द्र मोदी के बीच टेलीफोन पर हुई बहस के बाद अब डोनाल्ड ट्रंप का इस साल भारत आने का कोई इरादा नहीं है। अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने 12 भारतीय और अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से इसका खुलासा किया है। अखबार ने खुलासा करते हुए कहा है कि 17 जून को भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच टेलीफोन पर बात हुई थी। इस दौरान ट्रंप ने पाकिस्तान की तरह भारत को भी उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करने कहा था, जिससे भारतीय प्रधानमंत्री भड़क गये थे। अखबार ने कहा है कि टेलीफोन पर भारतीय नेता ने ट्रंप को दो टूक शब्दों में कहा था कि भारत और पाकिस्तान के बीच मई महीने हुए सीजफायर समझौते से अमेरिका और ट्रंप का कोई लेना देना नहीं है। हालांकि टेलीफोन पर ट्रंप ने मोदी को जरूर कहा था कि वो इस साल के अंत में भारत में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए दिल्ली का दौरा करेंगे, लेकिन अब उनका भारत आने का कोई इरादा नहीं है। ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिए है। अखबार ने दावा किया है कि डोनाल्ड ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार के लिए मुहिम चला रहे हैं। लेकिन भारतीय नेता के नॉमिनेट करने से इनकार करने के बाद उनकी मुहिम खटाई में पड़ गई है। हालांकि पाकिस्तान ने उन्हें नॉमिनेट किया है। फिर भी भारत का इनकार उनके दावे को कमजोर कर देता है। इसके बाद ही ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ थोप दिया। अमेरिकी टैरिफ का गंभीर असर भारत की इकोनॉमी पर पड़ने की आशंका है। भारत से अमेरिका को होने वाला निर्यात सालाना करीब 85 बिलियन अरब डॉलर का है।

ह्यूमन जीपीएस नाम से मशहूर आतंकी हुआ ढेर

● 25 सालों में 100+ घुसपैठ में मदद कराई थी ● गुरेज में दो दिन पहले एनकाउंटर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सुरक्षाबलों ने ह्यूमन जीपीएस के नाम से मशहूर आतंकी बागू खान को मार गिराया है। बागू खान समंदर चाचा के नाम से भी जाना जाता था। अधिकारियों को उसका पहचान पत्र भी मिला है। सूत्रों के अनुसार, बागू खान 1995 से पाक अधिकृत कश्मीर में रह रहा था। वह 25 सालों से आतंकी गतिविधियों में एक्टिव था और घुसपैठ के सबसे पुराने मददगारों में से एक था। वह 100 से ज्यादा घुसपैठ की घटनाओं में शामिल था। बागू खान जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ के सभी रास्तों से वाकिफ था और पकड़े जाने से बचने के तरीके भी पता थे। इसलिए उसे ह्यूमन जीपीएस नाम दिया गया। वह सुरक्षा एंजेसियों की लिस्ट में हिजबुल मुजाहिदीन का मोस्ट वांटेड आतंकी था। सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की 28 अगस्त को बागू खान के साथ गुरेज सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश के दौरान मुठभेड़ हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

मगध महिला कॉलेज कैबिनेट इलेक्शन का रिजल्ट जारी, बीए म्यूजिक की सोनल प्रिया जनरल सेक्रेटरी बनी

पटना। पटना के मगध महिला कॉलेज में आज कैबिनेट इलेक्शन पूरा हो गया। रिजल्ट जारी हो चुका है। बीए म्यूजिक की सोनल प्रिया जनरल सेक्रेटरी बनी हैं। वहीं, बीए साइकोलॉजी की आराध्या राज असिस्टेंट जनरल सेक्रेटरी बनी हैं। इन दोनों पदों पर छात्राएं निर्विरोध चुनी गई। वहीं, जिन 5 पदों के लिए आज वोटिंग हुई, उनमें ट्रेजरार के लिए बीकॉम की खुशी कुमारी, सेनिटेशन एंड एनवायरमेंट सेक्रेटरी के लिए बीकॉम की मान्या सिंह, असिस्टेंट सेनिटेशन एंड एनवायरमेंट सेक्रेटरी के लिए बीए संस्कृत की सोनम कुमारी, कॉमन रूम सेक्रेटरी के लिए बीबीए की सोनम कुमारी, असिस्टेंट कॉमन रूम सेक्रेटरी के लिए बीए हिस्ट्री की उधयायनी कुमारी ने जीत हासिल की। वहीं, अन्य 6 पद नॉमिनेटेड थे। कल्चरल सेक्रेटरी के लिए बीए फिलॉसफी की अनुभि प्रसाद, असिस्टेंट कल्चरल सेक्रेटरी के लिए बीए फिलॉसफी की सिमरन कुमारी, स्पोर्ट्स सेक्रेटरी के लिए बीए साइकोलॉजी की प्रिया सिंह, असिस्टेंट स्पोर्ट्स सेक्रेटरी के लिए बीएससी फिजिक्स की इशा नंदिनी और साइंस एंड आइटी सेक्रेटरी के लिए बीएससी केमिस्ट्री की आयुषी कुमारी और असिस्टेंट साइंस एंड आइटी सेक्रेटरी के लिए बीएससी की तृषा सिन्हा ने जीता है। 13 पदों के लिए 21 छात्राओं ने नॉमिनेशन फॉर्म भरा था। इसमें से 19 छात्राओं को इंटरव्यू में चुना गया था, जिसके बाद उन्होंने अपनी उम्मीदवारी पेश करने के लिए कॉलेज कैंपस में चुनाव प्रचार किया था।

दीघा घाट पर बनेगी 17 फीट ऊंची छठ व्रती की आकृति, बनारस के नमो घाट के तर्ज पर होगा निर्माण

पटना। बनारस के नमो घाट के तर्ज पर पटना के दीघा घाट पर 17 फीट ऊंची और 12 फीट चौड़ी छठ पर्व को लेकर व्रती की आकृति बनाई जाएगी। बुडको द्वारा यहां एक अनोखा वेस्ट टू वंडर स्कल्पचर स्थापित किया जाएगा। यह आकृति पूरी तरह से इस्तेमाल की गई चीजों से तैयार होगा। इसमें सूर्यदेव को अर्घ्य देने के लिए जिस पारंपरिक सूप का उपयोग किया जाता है, उसी का रूप यह मूर्ति धारण करेगा। दो हाथों में थामे हुए सूप में धातु से निर्मित फल, गन्ना और अन्य प्रसाद सामग्री होगी। बुडको एमडी अनिमेष कुमार पराशर ने कहा कि यह शिल्प केवल देखने योग्य कला का नमूना ही नहीं होगा, बल्कि इसके पीछे गहरी प्रतीकात्मकता और संदेश निहित है। सूर्य की उपासना ऊर्जा, जीवन और प्रकाश के शाश्वत स्रोत को नमन करता हुआ यह शिल्प आमजनो को भी कनेक्ट करेगा। छठ महापर्व से पहले इसे पूरा किया जाएगा। बिहार की सांस्कृतिक पहचान और आस्था के महापर्व को दर्शाता यह अनूठा पर्व, जिसे यह शिल्प सार्वजनिक स्थल पर जीवंत करेगा। उन्होंने आगे कहा कि पटना के घाट पर अब बिहार की आस्था, परंपरा के संगम एक भव्य कला शिल्प के रूप में दिखाई देगा। यह शिल्प दीघा घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। यह न केवल पटना की सुंदरता और कलात्मक पहचान को नई ऊंचाई देगा, बल्कि समाज को यह भी सिखाएगा कि कला और संस्कृति के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और जिम्मेदार जीवनशैली का प्रतिक रहेगा।

वैशाली में आम बगीचे के रखवाले की हत्या, धारदार हथियार से किया हमला

हाजीपुर। वैशाली के काजीपुर थाना क्षेत्र में आम बगीचे के रखवाले की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान दिलीप पासवान के रूप में हुई है। उसका शव सड़क किनारे खून से लथपथ मिला। दिलीप पिछले 25 सालों से इस बगीचे की रखवाली कर रहा था। यह बगीचा उसके घर से 500 मीटर की दूरी पर स्थित है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और सदर SDPO सुबोध कुमार मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतक के भतीजे मुकेश पासवान ने बताया कि उसका चाचा पिछले एक महीने से बगीचे नहीं जा रहा था। उसे अपनी जान का खतरा था। मुकेश के अनुसार, पिछले महीने अनवर खान से विवाद हुआ था। अनवर ने उसे जान से मारने की धमकी दी थी। हत्या रात करीब 2 बजे की गई। आरोपी को ऑटो से भागते हुए देखा गया। पुलिस गश्ती दल ने भी उसे देखा। सदर SDPO सुबोध कुमार के अनुसार, शव मिलने की सूचना सुबह प्राप्त हुई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हत्या धारदार हथियार से की गई है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है। अपराधियों की पहचान और हत्या के कारणों की जांच जारी है।

ड्यूटी पोस्ट बदलने की बात पर सुपरवाइजर का तांडव हाजीपुर सदर अस्पताल में गार्ड को डंडे से पीटा

हाजीपुर। हाजीपुर सदर अस्पताल में एक सुरक्षा गार्ड सुपरवाइजर द्वारा गार्ड की पिटाई का मामला सामने आया है। घायल गार्ड रतन कुमार को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समस्तीपुर जिले के पटोरी थाना क्षेत्र के रहने वाले रतन कुमार ने बताया कि वह पूरी रात डिलीवरी वार्ड में ड्यूटी कर रहे थे। सुबह रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने के बाद उन्होंने सुपरवाइजर सत्येंद्र सिंह से ड्यूटी पोस्ट बदलने का अनुरोध किया। इस पर सुपरवाइजर ने उनके सिर पर डंडे से हमला कर दिया। रतन कुमार के अनुसार, सुपरवाइजर सत्येंद्र सिंह अक्सर मनमाने तरीके से गार्ड्स से काम लेते हैं। विरोध करने पर वह गाली-गलौज करते हैं और हिंसक व्यवहार करते हैं। घटना के बाद घायल रतन कुमार का इलाज हाजीपुर सदर अस्पताल में चल रहा है।

वैशाली में 12 लाख की शराब मिली, कंटेनर से 175 कार्टून विदेशी शराब बरामद, तस्कर फरार

हाजीपुर। वैशाली में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब की खेप पकड़ी है। गोरौल थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि भगवानपुर गांव की पुरानी पोखर के पास कुछ लोग शराब की तस्करी कर रहे हैं। थाना अध्यक्ष सुनील कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सुबह 4 बजे छापेमारी की। पुलिस को देखते ही तस्कर मौके से फरार हो गए। मौके से एक कंटेनर में लदे 175 कार्टून विदेशी शराब और एक बाइक बरामद की गई। बरामद शराब की कीमत बाजार में 12 लाख रुपए से अधिक आंकी गई है। पुलिस के अनुसार शराब माफिया मध्य प्रदेश से शराब लाकर गोरौल थाना क्षेत्र में तस्करी कर रहे थे। पुलिस ने अज्ञात शराब तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गोरौल थाना क्षेत्र में इन दिनों पुलिस शराब माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है।

गांधी प्रतिमा के नीचे बीजेपी कार्यकर्ताओं का मौन धरना, केंद्रिय मंत्री रवि शंकर प्रसाद भी हुए शामिल

एजेंसी, पटना

कहा-राहुल गांधी अपने संस्कार भूल गए

वोटर अधिकार यात्रा के दौरान दरभंगा में मंच से प्रधानमंत्री को गाली देने का मामला और तेज हो गया है। भाजपा कार्यकर्ता लगातार इसके खिलाफ में प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी क्रम में पटना के गांधी मैदान में गांधी मूर्ति के पास भाजपा कार्यकर्ताओं ने मौन धारण कर धरना-प्रदर्शन किया। बीजेपी नेताओं ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला है और देशभर में विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि यह न केवल एक मां का अपमान है बल्कि पूरे देश की संस्कृति और सभ्यता का अपमान है। बीजेपी ने मांग की है कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को अविलंब माफी मांगनी होगी, वरना आंदोलन और तेज किया जाएगा।

मां के अपमान को बताया संविधान का अपमानः भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कि स्वर्गीय माता जी का अपमान हुआ है। संविधान बचाने की बात आप लोग करते हैं। संस्कार भूल गए क्या देश में माता का अपमान नहीं होता है। वो भी स्वर्गीय माताजी जिन्होंने बर्तन मांझ कर गरीबी में प्रधानमंत्री को आगे बढ़ाया। क्या मतलब है इसका यह बहुत पीड़ा दायक है। राहुल गांधी यह जो वाटर बढ़ाने का नाटक कर रहे हैं इनमें कोई संस्कार नहीं है। आप किसके बेटे हैं एक प्रधानमंत्री के बेटे हैं एक प्रधानमंत्री के पोते हैं एक प्रधानमंत्री आपके परनाना थे। प्रधानमंत्री के पद का कोई सम्मान नहीं करेंगे। यही आपका हाल है यह देश आपसे माफी मंगवाएगा। पूरे देश में गुस्सा है हम इसकी तीव्र निंदा करते हैं। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को माफी मांगना पड़ेगा। देशभर में प्रोटेस्ट हो रहा है और राहुल गांधी झूठ की खेती करने आए थे और आपका आलम यही है कि अपने प्रधानमंत्री की मां को अपमानित किया और यह नहीं सहा जाएगा।

"मां का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान" - धर्मशीला गुप्ताः भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद धर्मशीला गुप्ता ने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने जो अपमान देश के प्रधानमंत्री की पूज्य स्वर्गवासी माताजी का किया है, वह सिर्फ एक मां का अपमान नहीं है बल्कि देश के सनातन, संस्कृति और सभ्यता का अपमान है। यह अपमान हर मां, हर बेटी और हर बहन का है। हिंदुस्तान मां का अपमान नहीं सहेगा। राहुल और तेजस्वी को तत्काल माफी मांगनी पड़ेगी, अन्यथा आंदोलन जारी रहेगा।

"गांधी मैदान में कांग्रेस के लिए मांगी सन्मति": भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी प्रभात मालाकार ने कहा कि आज गांधी मैदान स्थित गांधी प्रतिमा के नीचे बीजेपी कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी, कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को "सन्मति मिले" इसकी कामना की। इतनी नीचता की हद पर गिर जाएंगे कि प्रधानमंत्री की स्वर्गीय माताजी को गाली देंगे, यह किसी ने सोचा भी नहीं था। राहुल गांधी खुद प्रधानमंत्री को तू-तड़ाक करते हैं, तो उनके कार्यकर्ताओं से और क्या उम्मीद की जा सकती है। वोटर अधिकार यात्रा के नाम पर बिहार को अपमानित किया जा रहा है और अब प्रधानमंत्री की मां को गाली देकर देश का अपमान किया गया है। पार्टी का कहना है कि इस अपमान को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

पटना में इंजीनियर के घर रेड, करोड़ों की प्रॉपर्टी मिली

एजेंसी, पटना

17.50 लाख कैश, 25 लाख की ज्वेलरी बरामद, 17 घंटे चली निगरानी की छापेमारी

पटना में शुक्रवार को निगरानी विभाग ने ग्रामीण कार्य विभाग के असिस्टेंट इंजीनियर नागेंद्र कुमार के ठिकानों पर रेड की। 17 घंटे तक छापेमारी में इंजीनियर के पटना वाले फ्लैट से 17 लाख 60 हजार कैश और करीब 25 लाख की ज्वेलरी मिली है। टीम ने शुक्रवार शाम इंजीनियर के पटना, मोकामा और गयाजी स्थित आवास और कार्यालय पर रेड की थी। नागेंद्र कुमार गयाजी के चंदौली थाना क्षेत्र के कुजाप गांव के रहने वाले हैं। फिलहाल वे बाढ़ अनुमंडल के मोकामा थाना क्षेत्र में ग्रामीण कार्य अवर प्रमंडल में तैनात हैं। मिली जानकारी के अनुसार भूपतिपुर में इंजीनियर ने 2 प्लॉट खरीदे हैं। एक प्लॉट पर 4 मंजिला घर बनवा रहे थे।

इसके अलावा गयाजी में भी इनके 2 प्लॉट हैं। सारी प्रॉपर्टी की कीमत करोड़ों में है। 28 तारीख को नागेंद्र कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया था। जांच में पता चला कि उनके पास 73 लाख 32 हजार रुपए की अतिरिक्त संपत्ति है। यह उनकी आय से 125 प्रतिशत अधिक है।

कृष्णा अल्लावरू बोले- पटना में बड़ा मार्च होगा 1 सितंबर को 10:50 से पदयात्रा शुरू होगी

एजेंसी, पटना

1 सितंबर को सुबह 10:50 से पदयात्रा शुरू होगी। सबसे पहले महात्मा गांधी को माल्यार्पण किया जाएगा। समापन कार्यक्रम का नाम गांधी से अंबेडकर रखा गया है। बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कहा कि इस यात्रा का अगला चरण अब पटना में एक बड़ा मार्च होगा। इस यात्रा के माध्यम से इंडिया गठबंधन, राहुल गांधी, तेजस्वी, बिहार की जनता को यह बताना चाह रहे हैं कि जो वोट चोरी से सरकार बनती है वह कभी भी जनता की सेवा नहीं करेगी, जनता का काम नहीं करेगी। जनता ने उनकी बोली की गोली समझ ली है। मोदी जी जानते हैं कि अगर जनता वोट नहीं भी देगी तो वोट चोरी करके चुनाव जीत जाएंगे।

कृष्णा अल्लावरू बोले- बिहार में नीतीश नहीं बल्कि बीजेपी का राज हैः बिहार में नीतीश जी नहीं बल्कि बीजेपी का राज है। दिनदहाड़े क्राइम बढ़ रहे। क्रिमिनल मंत्रिमंडल में बैठा हुआ है। जीवेश मिश्रा से आज तक इस्तीफा नहीं मांगा गया है। राहुल गांधी सहित सभी महागठबंधन के नेता गांधी मैदान गेट नंबर- 1 से होते हुए एसपी वर्मा रोड, डाकबंगला चौराहा, कोतवाली थाना, इनकम टैक्स गोलंबर, नेहरू पथ होते हुए आंबेडकर मूर्ति तक जाएंगे। कांग्रेस कमेटी के महासचिव अविनाश पांडे ने कहा कि राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा का पटना में समापन होगा। आज सभी लोगों के जुबान पर एक ही नारा है वोट चोर, गद्दी छोड़। देश के लोकतंत्र से खिलवाड़ करने की साजिश पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने की वह बहुत ही चिंताजनक है।

भाजपा अपने आप को हारा हुआ महसूस कर रहीः वोट चोरी को लेकर राहुल गांधी सभी से प्रश्न कर रहे हैं मगर कोई उत्तर नहीं मिल रहा है और मोदी जी इस तरह से मुंह बंद करके बैठे हैं, जैसे उनका इससे कुछ संबंध ही है नहीं है। कल आपने भाजपा का निराशाजनक प्रदर्शन देखा। भाजपा अपने आप को हारा हुआ महसूस कर रही है। वह जान गए हैं कि अब उनका सत्ता में आने का कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि आखिर राहुल गांधी बिहार में यह यात्रा क्यों कर रहे हैं, क्योंकि वह देश में अनकहे आपातकाल स्थिति से लोगों को जागरूक करना चाहते हैं। अगर यह वोट चोरी का मामला नहीं होता तो, लोकसभा में रिजल्ट कुछ और ही होता। राहुल गांधी ने देश में 10700 किलोमीटर की भारत जोड़ो यात्रा करने के बाद आज बिहार में संविधान को बचाने के लिए यह यात्रा कर रहे हैं। आज संविधान का बलात्कार किया जा रहा है। इसे बचाना बहुत ही जरूरी है।2025 के चुनाव में NDA की सरकार 100% नहीं आ रही है। इस यात्रा में लोगों से मिलने के बाद हम सभी ने यह महसूस किया है।

कहा- बिहार में नीतीश कुमार नहीं बल्कि बीजेपी का राज

परसा में बच्चे को जबड़े में लगी गोली

एजेंसी, पटना

घर में हथियार से खल रहा था बच्चा, खेलते समय फायरिंग, पटना रेफर

पटना जिले के परसा बाजार थाना क्षेत्र के शिवनगर गांव में शनिवार सुबह को एक चार साल का बच्चा बंदूख से खेलते समय घायल हो गया। धर्मेंद्र बिंद का पुत्र अपने घर में हथियार के साथ खेल रहा था। इसी दौरान अचानक गोली चलने से बच्चे के जबड़े में गोली लग गई। घटना के बाद परिजन बच्चे को तुरंत अस्पताल ले गए, वहां से डॉक्टर ने बच्चे को पटना रेफर कर दिया।

मां ने बताया कि बच्चे के जबड़े में गोली लगीः घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ रंजन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, वहां घायल बच्चे की मां से मुलाकात हुई। बच्चे की मां ने बताया बच्चे को जबड़े में गोली लगी है, जिसके इलाज के लिए धर्मेंद्र पीएमसीच ले गए हैं। पुलिस ने बच्चे की मां से गोली चलने के बारे में पूछा, तो उन्होंने बताया कि जब गोली चली उस समय वो घर के बाहर काम कर रही थी। जबतक वो घर के अंदर पहुंची तब तक बच्चे के पिता उसे लेकर इलाज के लिए पीएमसीएच ले जा चुके थे। उन्होंने फोन पर बात करके घायल बच्चे की जानकारी ली।

अभी हथियार का कोई पता नहीं चलाः मौके पर पहुंची पुलिस ने घयल बच्चे के पिता से फोन पर बात करके घटना की जानकारी ली। प्रारंभिक जांच में यह घटना घर में मौजूद हथियार से गोली चलने की लग रही है। पुलिस ने घर की तलाशी ली लेकिन हथियार बरामद नहीं हो सका। अंदाजा लगाया जा रहा है अवैध हथियार से गोली चलने के बाद बंदूख गायब कर दिया गया है।

बच्चे का चाचा अपराधी बताया जा रहाः बताया जा रहा है कि घायल बच्चे का चाचा (कल्लू) अपराधी प्रवृत्ति का आदमी है, वह अवैध हथियार रख कर चलता है, क्षेत्र मे लोगों के अंदर उसके दहशत का माहौल बना रहता है। लोगों का कहना है परिवार के लापरवाही से अवैध हथियार बच्चे के हाथ लग गया, और लोड बंदूख से खेलते समय फायरिंग हुई, और गोली बच्चे के जबड़े में लग गई। बच्चे की मां से घर में हथियार लाने के बारे में पूछे जाने पर उसने बताया, उसे इस बात की जानकारी नहीं है कि, हथियार घर में कहां से आया। उनका कहना है पता नहीं कहां से साामन लाकर घर में रख देते हैं।

मेडिकल टीम को जांच के लिए सूचना दीः पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एफएसएल की टीम को वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाने के लिए बुलाया गया है। अभी तक हथियार बरामद नहीं हुआ है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। घटना से गांव में तनाव का माहौल है। स्थानीय लोग घर में हथियार की मौजूदगी और लापरवाही पर सवाल उठा रहे हैं।

ट्रक से टकराई बाइक, युवक की मौत

एजेंसी, पटना

पटना के फतुहा थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार 25 वर्षीय युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। यह हादसा फतुहा फोरलेन पर धोबा पुल के पास हुआ। मृतक की पहचान खुसरूपुर थाना क्षेत्र के खिरोधरपुर गांव के धनराज टोला निवासी उपेंद्र सिंह के इकलौते बेटे विकास कुमार के रूप में हुई है। घटना की जानकारी तब हुई जब शनिवार सुबह विकास के फोन पर उनके परिजनों ने कॉल किया और उन्हें मौत की खबर मिली। खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार मृतक विकास अपने माता-पिता के इकलौते पुत्र थे और उनकी एक बहन भी है।

ट्रक से टकराई बाइकः जानकारी के मुताबिक, विकास शुक्रवार की देर रात करीब 11 बजे अपने घर से निकले थे। वह अपने गांव खिरोधरपुर से फतुहा फोरलेन होते हुए दनियावां की ओर जा रहे थे। रास्ते में धोबा पुल के पास उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विकास की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद उनकी बाइक भी सड़क पर ही गिर गई। देर रात होने के बावजूद, घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने तुरंत फतुहा थाना को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही, फतुहा थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया और पोस्टमॉर्टम के लिए पटना स्थित एनएमसीएच भेज दिया।

फतुहा के धोबा पुल के पास हुआ हादसा, परिजन बोले-देर रात घर से निकला था

'म्यांमार में बंधक बनाकर मुझे इलेक्ट्रिक शॉक देते थें'

एजेंसी, पटना

पटना के दानापुर के युवक को नौकरी का लालच देकर म्यांमार में बंधक बना लिया गया था। अब करीब 2 महीने बाद पुलिस की मदद से वह अपने वतन वापस लौट गया है। 26 जून 2025 को नौकरी दिलाने का झांसा देकर म्यांमार बुलाया गया और वहां सचिन को बंधक बना लिया गया था। मां मीना देवी ने दानापुर थाने में धर्मेंद्र चौधरी, जितेंद्र चौधरी (नेपाल) व सहाय ग्रुप कंपनी के एचआर सुनील कुमार के खिलाफ दर्ज कराई थी। सुनील सीतामढ़ी का है, जिसे फिलहाल गिरफ्तार कर लिया गया है।

सुनील ने बंधक बनाया था और सचिन के भाई से डेढ़ लाख रुपए ले लिए थे और बंधक से मुक्त करने के लिए 5000 डॉलर की डिमांड कर रहे थे, नहीं देने पर ऑर्गन बेचने की धमकी भी दे रहे थे। पीड़ित सचिन ने बताया कि उसे वहां इलेक्ट्रिक शॉक दिया जा रहा था। मारपीट होती थी। जबरन स्कैम के धंधे में फंसाने का दबाव दे रहे थे। सचिन कुमार सिंह ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि नेपाल के एजेंट धर्मेंद्र चौधरी के थ्रू बर्मा गए थे। धर्मेंद्र ने 12 लाख सालाना के पैकेज पर काम दिलाने का दिलासा दिया। फिर अपने साथ लेकर चला गया। सचिन ने धर्मेंद्र से कहा कि उसके पास टूरिस्ट वीजा है। इसके बावजूद भी धर्मेंद्र चौधरी ने आश्वासन दिया कि म्यांमार के मियाबड़ी में वर्क वीजा उपलब्ध करा दूंगा, जिससे तुम्हें कोई परेशानी नहीं होगी।

100 गाड़ियां, 30 बॉडीगार्डस के साथ अनंत सिंह का रोड शो

एजेंसी, पटना

पूर्व विधायक और बाहुबली अनंत सिंह शनिवार को 3 करोड़ की लैंड क्रूजर से मोकामा में रोड शो किया। उनके काफिले में 100 से ज्यादा गाड़ियां थीं। 3 गाड़ियों में 30 से ज्यादा बॉडीगार्ड्स उनके साथ चल रहे थें। रोड शो पटना के बाढ़ के सबनिमा गांव से शुरू होकर बड़हिया में खत्म हुआ। इस दौरान अनंत सिंह के साथ केंद्रीय मंत्री और जेडीयू नेता ललन सिंह भी मौजूद थें। मोकामा में रोड शो के दौरान अनंत सिंह और ललन सिंह ने गाड़ी से उतरकर लोगों से मुलाकात की और उनका अभिवादन किया। इससे पहले बाढ़ में बाहुबली और केंद्रीय मंत्री के स्वागत में JCB से फूल बरसाए गए। ढोल-बाजे के साथ दोनों नेताओं का स्वागत किया गया। अनंत सिंह और ललन सिंह ने गाड़ी से उतरकर लोगों का अभिवादन किया। रोड शो खत्म करने के बाद अनंत सिंह और ललन सिंह पटना के लिए रवाना हो गए।

ललन सिंह शनिवार की सुबह अनंत सिंह के पटना वाले आवास पर पहुंचे। वहां अनंत सिंह ने ललन सिंह के लिए अपनी नई कार का दरवाजा खोला और खुद पीछे वाली सीट पर बैठकर मोकामा के लिए निकल गए। बता दें मोकामा गोलीकांड में 6 अगस्त को रिहाई के बाद से ही अनंत सिंह जदयू की टिकट पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। इसे लेकर उन्होंने हाल ही में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जेडीयू के दूसरे नेताओं से भी मुलाकात की थी।

सोनू-मोनू से हो सकता है सामनाः रोड शो के दौरान बाहुबली अनंत सिंह का आमना-सामना उनके विरोधी सोनू-मोनू से होने की संभावना जताई गई थी। सोनू-मोनू के साथ हुए गोलीकांड में ही पूर्व विधायक जेल गए थे। सोनू-मोनू की मां उर्मिला देवी नौरंगा जलालपुर पंचायत की मुखिया हैं। उपचुनाव के दौरान सोनू-मोनू अनंत सिंह के विरोध में मोकामा वाले ललन सिंह के साथ खड़े थे, तब उन्होंने अपनी पंचायत से ललन सिंह को बढ़त दिलवाई थी। वहीं, 2024 के लोकसभा चुनाव में भी सोनू-मोनू ने ललन सिंह को समर्थन दिया था। ऐसे में इस रोड शो में उनका रुख किस ओर रहेगा, इस पर सबकी नजर रहेगी।

3 करोड़ की लैंड क्रूजर से मोकामा पहुंचे, जेसीबी से बरसाए गए फूल

संक्षिप्त समाचार

भारत निर्वाचन आयोग की विशेष प्रेक्षक अराधना पटनायक ने की विशेष गहन पुनरीक्षण की समीक्षा

बीएनएम@ मोतिहारी। भारत निर्वाचन आयोग की विशेष प्रेक्षक अराधना पटनायक (भा.प्र.से.) ने शनिवार को मोतिहारी जिला मुख्यालय में विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 की समीक्षा बैठक की। बैठक में जिले के सभी निर्वाचक निबंधन अधिकारी और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिला प्रतिनिधि मौजूद रहे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने बताया कि 2025 की निर्वाचक सूची में शामिल नहीं होने वाले मतदाताओं की सूची मतदान केंद्रवार और कारण सहित जिला की वेबसाइट एवं सभी प्रखंड, पंचायत और नगर निकाय कार्यालयों में उपलब्ध कराई गई है। दावा/आपत्ति की प्रक्रिया भी जारी है। बैठक में यह जानकारी दी गई कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में लिंग अनुपात सुधारने और महिलाओं के नाम जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। विशेष प्रेक्षक अराधना पटनायक ने आशा व्यक्त की कि सभी राजनीतिक दल अपने स्तर से सहयोग करेंगे और शेष दिनों में आवश्यक आवेदन प्रस्तुत करके निर्वाचक सूची पुनरीक्षण कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराया जाएगा।

रामगढ़वा में राजद कार्यकर्ताओं की बैठक, विधानसभा चुनाव को लेकर बनी रणनीति

बीएनएम@ रामगढ़वा। रामगढ़वा प्रखंड में शनिवार को राजद विधायक प्रत्याशी ओमप्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। ओमप्रकाश चौधरी ने कहा कि प्रखंड के सभी पंचायतों में जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों की समस्याएं सुनेंगे और उन्हें दूर करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि राजद की नीतियों व कार्यक्रमों को जनता तक पहुँचाने के लिए व्यापक प्रचार अभियान चलेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अपने-अपने गाँवों में जाकर जनता से मिलें और जिन मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट से कटा हुआ है, उन्हें पुनः जुड़वाने का कार्य करें। चौधरी ने दावा किया कि एनडीए गठबंधन घबराया हुआ है और इस बार महागठबंधन की सरकार बनेगी। राजद नेता इरफान आलम ने कहा कि ओमप्रकाश चौधरी विगत दस वर्षों से सुगौली विधानसभा क्षेत्र की जनता की सेवा कर रहे हैं और इस बार उन्हें जनता जीत दिलाकर विधानसभा भेजेगी। बैठक में वरीय नेता मोतीलाल यादव, वहाब आलम, ब्रजेश सिंह, दिलीप सिंह, नवल पंडित, अखिलेश गिरी, जयकिशोर यादव, पिंटू सिंह, छोटे आलम, मोहम्मद कमरुद्दीन, राज मोहम्मद हवारी, लाडू सिंह, मंटू सिंह, छोटन सिंह, जेड अहमद, इजहार हुसैन, मुनि महतो, राशि यादव, महिंदर पंडित, अंजय यादव, मो. मुर्तुजा, इरफान आलम, इरसाद अंसारी, मुस्ताक अंसारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

चंपारण रेंज के डीआईजी हरि किशोर राय ने अरेराज में डीएसपी कार्यालय का निरीक्षण किया

बीएनएम@ अरेराज। अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से चंपारण रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक (DIG) हरि किशोर राय ने आज अरेराज का दौरा किया। अपने दौरे के क्रम में उन्होंने अनुमंडल पुलिस उपाधीक्षक (DSP) कार्यालय का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने कार्यालय के विभिन्न अभिलेखों, लंबित मामलों की स्थिति और पुलिस द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों से साफ-सफाई और अनुशासन बनाए रखने का निर्देश दिया। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि अपराध पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए और जनता के प्रति पुलिस का व्यवहार सौहार्दपूर्ण हो। मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर पूर्णकाम समर्थ और अन्य सभी पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। डीआईजी के इस निरीक्षण से स्थानीय पुलिस अधिकारियों और जवानों का मनोबल बढ़ा है और यह माना जा रहा है कि इससे इलाके में पुलिसिंग व्यवस्था और भी बेहतर होगी।

हरसिद्धि विधानसभा: एनडीए ने फूंका चुनावी बिगुल, महागठबंधन पर साधा निशाना

बीएनएम@ मोतिहारी

शनिवार को हरसिद्धि विधानसभा के उज्जैन लोहियार पंचायत के बलुआ सिंगाहा हाई स्कूल के प्रांगण में एनडीए का विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता जदयू जिला अध्यक्ष मंजू देवी ने की, जबकि मंच संचालन का कार्य भाजपा जिला अध्यक्ष पवन राज ने संभाला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि बिहार में विकास की गति अब तेज हो गई है और इसे कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने लालू यादव के समय की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि तब लोग लालटेन और ढिबरी की रोशनी में रहते थे, लेकिन आज नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी की सरकार में हर घर में बिजली और सड़कें पहुंच चुकी हैं। उन्होंने कहा कि एक गरीब और पिछड़े का बेटा प्रधानमंत्री बना है, जिससे महागठबंधन के नेताओं को परेशानी हो रही है। स्थानीय सांसद और कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह ने बताया कि 2005 से पहले बिहार में अपराध और नरसंहार आम थे, शिक्षा व्यवस्था चौपट थी और मजदूर पलायन कर रहे थे। नीतीश कुमार की सरकार आने के बाद विकास की गति बढ़ी और अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा गया। उन्होंने उज्ज्वला योजना और मुफ्त बिजली जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि अब यादव और पिछड़ा वर्ग भी विकास के महत्व को समझने लगे हैं। मंत्री कृष्णनंदन पासवान ने हरसिद्धि विधानसभा में सड़कों के जाल और प्रखंडों के विकास की जानकारी दी। 450 सड़कों में से 85% तैयार हो चुकी हैं, जबकि 15% निर्माणाधीन हैं। मंत्री सुमित कुमार सिंह ने सरकारी कॉलेजों में शिक्षा की गुणवत्ता का जिक्र किया और कहा कि बिहार के कॉलेज अब बाहर के कॉलेजों से कम नहीं हैं। सभा में भाजपा, जदयू, हम, राष्ट्रीय लोक मोर्चा और लोजपा के कई नेता उपस्थित थे। हजारों कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने सम्मेलन में भाग लिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री राधामोहन सिंह ने कहा कि हरसिद्धि विधानसभा विकास की नई ऊंचाइयों को छू रही है। उन्होंने 30 करोड़ की लागत से हरसिद्धि में नए मरीन ड्राइव के निर्माण की घोषणा की, जिसका शिलान्यास अगले सप्ताह होगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर सरकार की योजनाओं की जानकारी देने और बूथ स्तर पर सक्रिय रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनता अब महागठबंधन की नकारात्मक राजनीति और झूठे वादों से ऊब चुकी है। मंत्री सुमित कुमार सिंह और अन्य नेताओं ने कहा कि सम्मेलन की भीड़ और उत्साह संकेत दे रहे हैं कि हरसिद्धि की जनता फिर से भाजपा के उम्मीदवार कृष्णनंदन पासवान को प्रचंड बहुमत से जिताने वाली है। कार्यक्रम को प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, राष्ट्रीय लोक मोर्चा किसान प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह, प्रधान महासचिव लोजपा आर से संजय पासवान, हम पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष रत्नेश पटेल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सरोज रंजन पटेल, प्रदेश मंत्री भाजपा अजय यादव, जिला अध्यक्ष भाजपा पवन राज,जदयू जिला अध्यक्ष श्रीमती मंजू देवी, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के जिला अध्यक्ष रमेश पासवान, हम पार्टी के जिला अध्यक्ष कन्हैया ठाकुर, लोजपा आर के जिला अध्यक्ष धरणीधर मिश्रा, प्रदेश मंत्री जदयू राजकिशोर ठाकुर ,प्रदेश महासचिव लोजपा आर विजय यादव, भाजपा नेता आशुतोष कुमार, हरसिद्धि भाजपा मंडल अध्यक्ष निकेश सिंह, पूर्व मुखिया फारूक आजम, मार्कण्डेय कुशवाहा, भीम कुमार, हरेंद्र सिंह कुशवाहा, रूपलाल माझी आदि हजारों लोग उपस्थित थे।

बरदाहा पंचायत भवन में उप स्वास्थ्य केंद्र का हुआ शुभारंभ

बीएनएम@ मोतिहारी

सदर प्रखंड मोतिहारी के बरदाहा पंचायत भवन परिसर में आयोजित एक सादे समारोह में उप स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभ किया गया। इसका उद्घाटन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. दिलीप कश्यप, स्थानीय मुखिया मोहन सहनी, सरपंच मुरारी सहनी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस मौके पर डॉ. कश्यप ने कहा कि बरदाहा जैसे सुदूरवर्ती पंचायत के ग्रामीणों के लिए यह स्वास्थ्य केंद्र किसी वरदान से कम नहीं है। अब यहां के लोगों को सामान्य स्वास्थ्य सेवाओं, दवाइयों तथा चिकित्सकीय परामर्श हेतु प्रखंड मुख्यालय या जिला अस्पताल की ओर नहीं दौड़ना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होने से समय और धन की बचत होगी तथा बीमारियों का समय पर उपचार संभव हो सकेगा। मुखिया मोहन सहनी ने कहा कि पंचायत भवन में स्वास्थ्य केंद्र खुलने से गांव-गांव के लोग लाभान्वित होंगे। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं और सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का लाभ उठाएं। ग्रामीणों ने उप स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना पर खुशी व्यक्त की और कहा कि अब उन्हें प्राथमिक उपचार और दवा की सुविधा अपने पंचायत भवन में ही उपलब्ध हो सकेगी।

स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित दो मुखिया को जिलाधिकारी ने किया स्वागत

बीएनएम@ मोतिहारी

79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चयनित विशेष अतिथियों को माननीय प्रधानमंत्री ने सम्मानित किया। सम्मान पाने वालों में पूर्वी चंपारण जिले के दो मुखिया जिसमें देशबंधु कुमार सिंह, मिश्रौलिया पंचायत, प्रखंड अरेराज और जितेंद्र कुमार सिंह, बेलवा पंचायत, आदापुर भी शामिल थे। जिन्हें जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने अपने कार्यालय में बुलाकर सम्मानित किया और उनके सराहनीय कार्यों की प्रशंसा की। बेलवा पंचायत के मुखिया, जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने पंचायत में अमृत सरोवर का निर्माण, पांच तालाबों का जीर्णोद्धार, कड़िया नदी की सफाई एवं कटाव अवरोधक कार्य, तटबंध मरम्मत और चार रेन वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण कराया। उन्होंने 70 शॉकपीट बनाए और निजी एवं सरकारी भूमि पर 50 यूनिट वृक्षारोपण कर जल जीवन हरियाली मिशन में योगदान दिया। पंचायत के 25 पुराने वृक्षों का संरक्षण भी किया जा रहा है। वही मिश्रौलिया पंचायत के मुखिया, देशबंधु कुमार सिंह ने बताया कि उनका पंचायत गंडक नदी के तट पर स्थित है और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बांध का निर्माण कर 300–400 एकड़ में फसल सुरक्षा सुनिश्चित की गई। पंचायत में 150 से अधिक शॉकपीट और 30 निजी तालाबों का निर्माण कर भूमिगत जल संरक्षण, मत्स्य पालन और कृषि उत्पादकता वृद्धि के उद्देश्य से कार्य किया गया। जिलाधिकारी ने दोनों मुखियाओं को शुभकामनाएं देते हुए जिले के अन्य पंचायतों के मुखियाओं से भी इसी तरह के विकास कार्यों की अपेक्षा व्यक्त की।

चंपारण सत्याग्रह में रामदयाल प्रसाद साह का योगदान सराहनीय: चंद्रभूषण पाण्डेय

बीएनएम@ मोतिहारी

अखंड भारत एकता परिषद, पूर्वी चंपारण के तत्वावधान में शनिवार को मोतिहारी के एक आवासीय होटल में "स्वतंत्रता सेनानी रामदयाल प्रसाद साह एवं साह परिवार के योगदान" विषयक विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम में साह परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका और मोतिहारी के सर्वांगीण विकास में उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत से हुई। स्वतंत्रता सेनानी रामदयाल प्रसाद साह के प्रपौत्र डॉ. चंदन जायसवाल ने अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथियों का सम्मान किया। उन्होंने 141 पृष्ठों का पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया, जिसमें महात्मा गांधी को चंपारण लाने, सत्याग्रह आंदोलन और देश की आजादी में साह परिवार की अग्रणी भूमिका का विस्तृत विवरण था। साथ ही मोतिहारी के शैक्षणिक, धार्मिक और सामाजिक विकास में उनके योगदान को भी रेखांकित किया गया। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के समाज विज्ञान संकाय के डीन प्रो. सुनील महावर ने कहा कि रामदयाल प्रसाद साह ने न केवल मोतिहारी के शैक्षणिक और सामाजिक वातावरण को मजबूत किया, बल्कि महात्मा गांधी को चंपारण लाने और सत्याग्रह आंदोलन को सफल बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने यह भी कहा कि चंपारण आंदोलन ने ही देश को आजादी दिलाने का रास्ता दिखाया। गांधी टावर, पटना के उपनिदेशक ललित कुमार सिंह ने कहा कि राजकुमार शुक्ल के उल्लेख के साथ रामदयाल प्रसाद साह का नाम भी दर्ज होना चाहिए। उन्होंने साह परिवार के स्वतंत्रता सेनानियों की याद में संग्रहालय बनाने, रामदयाल प्रसाद साह की जीवनी गांधी टावर में रखने और महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में उनके नाम पर गोल्ड मेडल प्रतियोगिता आयोजित करने का सुझाव दिया। गांधी शांति अध्ययन विभागाध्यक्ष प्रो. युगल किशोर दधीच ने बताया कि रामदयाल प्रसाद साह सर्वधर्म समभाव और धर्मनिरपेक्षता के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने मंदिर, मस्जिद, ईदगाह, विद्यालय, पोखरा और रेडक्रॉस कॉलेज जैसी सार्वजनिक संस्थाओं के लिए अपनी भूमि दान की, जो उनके समाज कल्याण और भाईचारे की भावना का प्रतीक है। वरिष्ठ पत्रकार एवं गांधी संग्रहालय मोतिहारी के उपाध्यक्ष चंद्रभूषण पांडेय ने कहा कि रामदयाल प्रसाद साह की स्मृति हमें महात्मा गांधी के आदर्शों पर चलने और समाज में सौहार्द बनाए रखने की प्रेरणा देती है। इस अवसर पर किशोर पांडेय, अशोक कुमार वर्मा, प्रमोद स्टीफन, विनय कुमार वर्मा, संजय सत्यार्थी, अधिवक्ता रूप नारायण, अधिवक्ता मोइनुल हक और साह परिवार के सुरेंद्र प्रसाद ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन अज़हर हुसैन अंसारी ने किया, स्वागत भाषण प्रो. मदन प्रसाद ने दिया और धन्यवाद ज्ञापन रविंद्र नाथ सिंह ने प्रस्तुत किया।

अनुमंडल पदाधिकारी ने कृषि अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश: उर्वरक केवल सरकारी मूल्य पर ही वितरित करें

बीएनएम@ मोतिहारी

अनुमंडल पदाधिकारी पकड़ीदयाल कृतिका मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अनुमंडल के सभी कृषि अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि उर्वरक किसानों को केवल सरकारी मूल्य पर ही उपलब्ध कराया जाए और इसके साथ किसी अन्य पदार्थ का टैग न लगाया जाए। बैठक में अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी, कृषि समन्वयक, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक और किसान सलाहकार उपस्थित थे। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि यदि किसी भी प्रकार की शिकायत मिली तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा बैठक में कृषि विभाग की सभी योजनाओं की समीक्षा की गई। इसमें डिजिटल क्रॉप सर्वे, फॉर्मर रजिस्ट्री, प्रधानमंत्री किसान निधि और फसल का आच्छादन शामिल रहे।

भाजपा और आरएसएस लोकतंत्र का गला घोंटने पर है उतारू – ई. शशिभूषण राय

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला कांग्रेस कमिटी, पूर्वी चंपारण के अध्यक्ष ई. शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय के नेतृत्व में शनिवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मोतिहारी शहर स्थित गांधी चौक पर एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध बिहार प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर भाजपा नेताओं द्वारा किए गए पथराव की निंदा करते हुए आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने भाजपा और केंद्र सरकार की तानाशाही रवैये के विरोध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया। ई. शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय ने कहा कि "भाजपा और आरएसएस लोकतंत्र का गला घोंटने पर उतारू हैं। बिहार प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर किया गया पथराव लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला है। यह घटना साबित करती है कि भाजपा सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए हिंसा का सहारा ले रही है। कांग्रेस पार्टी इस तानाशाही रवैये का पुरजोर विरोध करती है और जनता को चेतावनी देती है कि भाजपा के इन कृत्यों से लोकतंत्र को भारी खतरा है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और किसानों-मजदूरों की बदहाली के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए भाजपा हिंसक राजनीति कर रही है। कांग्रेस पार्टी इसके खिलाफ सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष करेगी। लोकतंत्र की रक्षा के लिए हम हर कुर्बानी देने को तैयार हैं।" इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'लोकतंत्र बचाओ', 'भाजपा मुर्दाबाद', 'तानाशाही खत्म करो' जैसे नारे लगाते हुए सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर शैलेन्द्र कुमार सिंह , प्रो. विजय शंकर पाण्डेय, रामबाबू यादव, मुनमुन जयसवाल, शैलेन्द्र शुक्ला, बिट्टू यादव, आशीष सिंह, रमेश श्रीवास्तव, इमरान हाशमी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

वोट अधिकार यात्रा की सफलता को लेकर राजद नेता ने आम जनता को दिया धन्यवाद

बीएनएम@ मोतिहारी

विगत दिनों वोट अधिकार यात्रा के दौरान जो जन आंदोलन, जन सैलाब उमड़ा उसे बापू के कर्मभूमि पर फिर से एक नई इतिहास की गाथा लिखने के लिए मजबूर हुए हैं। इस शहर के संपूर्ण भाग पर तिल रखने को जगह नहीं था। चारों तरफ लोग ही लोग दिखाई दे रहे थे यह आंदोलन से अंग्रेजों के खिलाफ किसानों का जो जन आंदोलन था उसे फिर से यह याद दिला देती है। पूर्वी चंपारण में ढाका, चिरैया, मोतिहारी, सुगौली विधानसभा के क्षेत्र में राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, मुकेश सहनी, दीपांकर भट्टाचार्य के साथ बिहार एवं देश के कई नेता शामिल थे। लाखों लोग सड़क पर उतरकर अपने नेता का स्वागत एवं अभिनंदन किया। लोगों में बहुत ही उत्साह था एवं अभूतपूर्व भीड़ उमड़ पड़ी थी। अपने नेता के स्वागत में कई घंटे से रोड पर स्वागत के लिए एवं एक झलक पाने के लिए महिला-पुरुष नौजवान डटे रहे। उक्त बातें शनिवार को प्रेस वार्ता करते विनोद कुमार श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष राजद ने बताया। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि मैं स्वयं कई दिनों से राजद के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ताओं के साथ मोतिहारी विधानसभा में कई गांव व मोहल्ले में दौरा कर लोगों को आने की अपील की थी महागठबंधन के द्वारा जो वोट अधिकार यात्रा में जो पूर्व प्रस्तावित कई जिला होते हुए बापू के कर्मभूमि धरती पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव की आने का न्योता दिया था। उक्त आयोजन को सफल बनाने हेतु हम एवं हमारे वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता द्वारा पूर्वी चंपारण के सभी लोगों का खासकर मोतिहारी विधानसभा के लोगों का आभार व्यक्त करता हूं। आपने जो ऐतिहासिक भीड़ के साथ शांतिपूर्ण भव्य स्वागत किए गए इस अभूतपूर्व स्वागत महागठबंधन के नेता में चर्चा के विषय बना हुआ है। कहा कि समूचा बिहार एवं देश में चर्चा हो रही है जिसमें लाखों लोग भाग लिए। मौके पर राजद के पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव, पुर्व जिला अध्यक्ष रमाकांत यादव, पूर्व प्रमुख मो. नसीम अख्तर, राजद नेता रवि शंकर वर्मा, पवन यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष पंचायती राज प्रकोष्ठ (बिहार), हरिकेश यादव, मनीष यादव, पैक्स अध्यक्ष उमेश यादव, पूर्व मुखिया दिनेश यादव, प्रमोद यादव शिक्षक नेता, राजेश यादव, प्रमोद यादव, सनोज यादव, युवा नेता राजा यादव, हिमांशु श्रीवास्तव, मिंकू श्रीवास्तव पूर्व मुखिया, सीटू श्रीवास्तव, तेजस्वी यादव, रविंद्र यादव, गुड्डू श्रीवास्तव, पूर्व वार्ड पार्षद सरोज यादव, नागेंद्र यादव, प्रेम यादव, प्रधान महासचिव बच्चा यादव, राणा श्रीवास्तव, जेपी यादव, सुमन श्रीवास्तव, रवि यादव, सुभाष यादव, मंतु यादव, मो. मोईन सहित अन्य उपस्थित रहे। उक्त आशय की जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पवन यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष पंचायती राज प्रकोष्ठ (बिहार) द्वारा दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

पताही में महावीर झंडा उत्सव, 120 फीट ऊँचा झंडा बना आकर्षण का केंद्र

बीएनएम@ पताही। पताही प्रखंड क्षेत्र के बेलाही राम गांव में शनिवार को महावीर झंडा उत्सव का आयोजन धूमधाम से हुआ। इस अवसर पर लगाया गया 120 फीट ऊँचा गगनचुंबी झंडा आकर्षण का केंद्र बना रहा। झंडे के दर्शन और उत्सव में शामिल होने के लिए दूर-दराज से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। ग्रामीण शिवमंगल शाह ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी भारी भीड़ उमड़ी। स्थानीय ग्रामीणों ने आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुख्ता इंतजाम किए और तट पर खड़े होकर आगंतुकों का मार्गदर्शन किया। वहीं, कुछ ग्रामीणों ने अपने-अपने करतब और पारंपरिक खेल दिखाकर लोगों का मनोरंजन भी किया। सबसे खास बात यह रही कि हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग मिलकर इस झंडा उत्सव में शामिल हुए, जिससे आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब की झलक साफ दिखाई दी। शाम तकरीबन 7 बजे तक श्रद्धालु झंडे के पास डटे रहे। अंधेरा होने पर लोग अपने-अपने घर लौटने लगे। ग्रामीणों ने बाहर से आए मेहमानों की सुविधा के लिए सवारी की व्यवस्था भी की।

जहरीले सांप के काटने से महिला की मौत, गांव में शोक की लहर

बीएनएम@ सहरसाः जिले के बसनही थाना क्षेत्र अंतर्गत गोदरम टोला वार्ड नंबर 02 में शनिवार को जहरीले सांप के डसने से एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान 58 वर्षीय जयमाला देवी, पत्नी सिकंदर शर्मा के रूप में हुई है। इस हादसे ने पूरे गांव और परिजनों को गहरे सदमे में डाल दिया है।परिजनों के अनुसार, जयमाला देवी सुबह घर में सफाई कर रही थीं। इसी दौरान अचानक एक जहरीले सांप ने उनके दाहिने हाथ में काट लिया। परिजन तत्काल उन्हें पास के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर फैलते ही घर और गांव में मातम पसर गया।जयमाला देवी छह बच्चों की मां थीं। उनकी तीन बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि तीन बेटे अभी अविवाहित हैं। पति सिकंदर शर्मा गाड़ी चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। अचानक हुई इस त्रासदी ने पूरे परिवार को निराशा और दर्द में डुबो दिया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।सूचना मिलने पर बसनही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि महिला की मौत सांप के डसने से हुई है तथा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद और मुआवजा प्रदान करने की मांग की है, ताकि परिवार इस कठिन समय में संभल सके।

सिमरी बख्तियारपुर में जन सुराज पार्टी की बैठक आयोजित

बीएनएम@ सिमरी बख्तियारपुर (सहरसा)ः आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर जन सुराज पार्टी ने सिमरी बख्तियारपुर विधानसभा क्षेत्र में शुक्रवार की देर शाम को एक अहम बैठक शहर के रंगिनियां टोला वार्ड नंबर 15 स्थित स्व. अयोध्या मंडल के दरवाजे पर आयोजित किया गया। बैठक की अगुवाई जनसुराज के सहरसा जिला चुनाव प्रभारी रवीन्द्र कुमार मन्टू ने किया, वहीं बैठक में प्रत्याशी चयन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता मौजूद रहे।बैठक में पार्टी नेताओं ने साफ किया कि इस बार हर सीट पर ऐसे उम्मीदवार को उतारा जाएगा जो ईमानदार हो, स्वच्छ छवि रखता हो और जनसेवा के लिए समर्पित हो। नेताओं का कहना था कि जनता की सच्ची आवाज वही बन सकता है जो उन्हीं के बीच से निकलकर समस्याओं को समझे और समाधान के लिए प्रतिबद्ध रहे।बैठक में प्रदेश चुनाव अभियान समिति के सदस्य किशोर कुमार मुन्ना, चुनाव पर्यवेक्षक महेन्द्र मेहता, जिलाध्यक्ष नवल किशोर, अनुमंडल अध्यक्ष फैजूर रहमान, जिला किसान अध्यक्ष नौशाद आलम, प्रखंड अध्यक्ष (सलखुआ) इन्द्रदेव यादव, प्रखंड युवा अध्यक्ष स्मित शोहल, प्रखंड किसान अध्यक्ष (सलखुआ) हरिमोहन राम, जिला महिला अध्यक्ष प्रियंका झा और पंचायत महिला अध्यक्ष (सलखुआ) संगिता देवी सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए।नेताओं ने कहा कि बिहार की राजनीति में सकारात्मक बदलाव की जरूरत है। बैठक के अंत में कार्यकर्ताओं ने चुनावी तैयारियों को लेकर अपनी राय भी साझा की और क्षेत्र में जनसंपर्क को तेज करने पर जोर दिया गया |

नाबालिग के साथ मारपीट

बीएनएम@ जमुई /झाझा। जिले के झाझा प्रखंड में एक नाबालिग लड़के के साथ गांव के ही एक युवक ने मारपीट करने के बाद साइकिल लेकर चले जाने का मामला सामने आया। मारपीट में घायल किशोर की पहचान थानाक्षेत्र के हरना गांव के रहने नीरज कुमार के रूप में हुई जिसे इलाज के लिए उसकी मां उर्मिला देवी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झाझा में भर्ती करवाया जहां उसका इलाज हुआ। घायल किशोर की मां ने बताई की मेरा बेटा शौच करने के लिए साइकिल से नदी की ओर जा रहा था तभी गांव के रहने वाले युवक सुभाष कुमार ने मेरे बेटे को रोककर गाली गलौज कर साइकिल के ट्यूब से हवा निकाल दिया। जब मेरा बेटा विरोध किया तो उसने मारपीट कर साइकिल लेकर चला गया।

प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम@ जमुई /झाझा। रेलवे अस्पताल के समीप रेलवे कॉलोनी के रहने वाले एक व्यक्ति ने अपने ही मुहल्ले के दो युवक एवं अन्य तीन अज्ञात के खिलाफ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया है। पीड़ित राजू कुमार ने दर्ज आवेदन में बताया कि मुहल्ले के रहने वाले मुकेश राम , प्रदीप एवं अन्य तीन चार अज्ञात लोग घर पर आकर गाली गलौज कर दरवाजा खटखटाने लगा और जान मारने की धमकी दे रहा था जब मेरी बहु गेट खोलकर बाहर निकली तो उक्त लोगों ने मेरी बहु के साथ अभद्र व्यवहार करने लगा। मेरी बहु के चिल्लाने पर जब आसपास के लोग जुटे तो उक्त सभी लोग भाग निकला। पीड़ित ने बताया कि मुकेश नशीला पदार्थ का सेवन करता है और नशे की हालत में हमेशा गाली गलौज किया करता है।

बिहार में अगले 5 दिनों तक भारी बारिश के आसार

बीएनएम@ पटना

बिहार में अगले पांच दिनों तक बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। मौसम विभाग ने कई जिलों में भारी बारिश, गरज-चमक और ठनका गिरने की संभावना जताई है। हालांकि, इस दौरान तापमान में खास बदलाव नहीं होगा।

कहां होगा असर

30 और 31 अगस्त को पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीवान, सारण और गोपालगंज के कई हिस्सों में तेज बारिश की चेतावनी दी गई है। इन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर-पूर्वी असम और आसपास के इलाकों में बने चक्रवाती परिसंचरण का असर बिहार तक देखने को मिलेगा।

पटना का हाल

राजधानी में शनिवार को सुबह हल्की बारिश हुई, लेकिन दोपहर बाद धूप निकलने से उमस भरी गर्मी ने लोगों को परेशान किया। देर शाम चल रही हवाओं से थोड़ी राहत जरूर मिली। विभाग का कहना है कि 1 सितंबर से मानसून दोबारा सक्रिय होगा और सितंबर में अच्छी बारिश की संभावना है।कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर सितंबर के पहले और दूसरे सप्ताह में पर्याप्त बारिश होती है तो खरीफ उत्पादन पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। खासकर धान की फसल को इससे बड़ी राहत मिलेगी।

वोटर अधिकार यात्रा : मंच से तेजस्वी यादव ने बीजेपी पर किया तीखा हमला

नीतीश कुमार के वादे भी कागज के हवाई जहाज़ की तरह ही हैंः तेजस्वी यादव

तेजस्वी यादव

बीएनएम@ आरा/पटना

विधानसभा चुनाव 2025 से पहले वोटर लिस्ट रिवीजन (SIR) के मुद्दे पर चल रही कांग्रेस और राजद की वोटर अधिकार यात्रा शनिवार को भोजपुर पहुंची। यात्रा के 14वें दिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव एक साथ मंच पर नजर आए।सुबह छपरा के एकमा से शुरू हुई यात्रा भोजपुर जिले के बबुरा से आरा पहुंची, जहां जनसभा का आयोजन हुआ। सभा में सबसे पहले तेजस्वी यादव ने संबोधन किया और भाजपा व चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सभा में जोर-जोर से "वोट चोर गद्दी छोड़" और "चोर-चोर" के नारे लगवाए। तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा, "बच्चे जैसे कागज की नाव और प्लेन बनाकर उड़ाते हैं, वैसे ही नीतीश कुमार वादे करते हैं। पढ़ाई, दवाई, कमाई और सिंचाई वाली सरकार बनाइए। हमें रोजगार चाहिए या नहीं? इसलिए काम करने वाली सरकार बनाइए।"उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार नकलची है और उनकी नीतियों की नकल कर रही है। तेजस्वी ने जनता से अपील की कि वे "ओरिजिनल सीएम" चुनें, न कि "डुप्लीकेट"।सभा में राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने भी केंद्र और राज्य सरकार पर तीखे हमले बोले। यात्रा के इस चरण में विपक्ष ने साफ कर दिया कि SIR को वे भाजपा की "वोट चोरी साजिश" मानते हैं और इसे जनता के सामने बड़ा मुद्दा बनाएंगे।

आरा में राहुल गांधी को दिखाए गए काले झंडे

आरा में राहुल गांधी के काफिले में काला झंडा दिखाते लोग

बीएनएम@ पटना

बिहार में कांग्रेस की वोटर अधिकार यात्रा आरा पहुंची तो माहौल गर्मा गया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत इंडिया गठबंधन के कई बड़े नेता इस यात्रा में शामिल थे।यात्रा के आरा पहुंचने पर रमना रोड स्थित ग्रैंड होटल के पास भारतीय जनता युवा मोर्चा (BJYM) के कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी को काला झंडा दिखाकर विरोध दर्ज कराया। अचानक हुए इस प्रदर्शन से माहौल कुछ देर के लिए तनावपूर्ण हो गया, हालांकि बाद में पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया।इस विरोध के बीच राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने यात्रा जारी रखी और सभा स्थल की ओर बढ़ गए।

मुजफ्फरपुर में घर में घुसकर युवक की गोली मारकर हत्या, इलाके में सनसनी

बीएनएम@ मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिले के पारू थाना क्षेत्र के बैजलपुर गांव में शनिवार देर रात अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान अभिमन्यु कुमार सिंह (पिता – संजय कुमार सिंह) के रूप में हुई है। वे एक निजी बाइक एजेंसी में कार्यरत थे।जानकारी के अनुसार, अभिमन्यु रात को घर के बरामदे में सोए हुए थे। देर रात लगभग 1 से 1:30 बजे के बीच अपराधियों ने घर में घुसकर उन पर करीब से दो गोलियां दाग दीं। सुबह परिजनों ने देखा तो उनका शव खून से लथपथ बरामदे में पड़ा था। घटना की खबर फैलते ही पूरे गांव में सनसनी मच गई और लोगों में दहशत का माहौल है।परिजनों ने बताया कि रात 11 बजे तक अभिमन्यु परिवार के साथ बैठे हुए थे और सबकुछ सामान्य था। लेकिन रात के बीच अपराधियों ने वारदात को अंजाम दे दिया। परिजनों का कहना है कि अभिमन्यु की किसी से पुरानी दुश्मनी नहीं थी।घटना की सूचना मिलते ही पारू थाना के एसएचओ चंदन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एफएसएल टीम और डॉग स्क्वॉड को भी जांच के लिए बुलाया गया है। फिलहाल हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।इस सनसनीखेज वारदात के बाद गांव में भारी भीड़ जमा है और लोग दहशत में हैं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और अपराधियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

प्रधानमंत्री की माता के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी से बिहार शर्मसार हुआ :विधायक

बीएनएम@ बगहा

बगहा विधायक राम सिंह एवं भाजपा के जिलाध्यक्ष अचिंत कुमार लल्ला ने संयुक्त रूप से शनिवार को एक प्रेस वार्ता बीजेपी कार्यालय में आयोजित किया। तथा देश के प्रधानमंत्री की माता के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करने का आरोप लगाया । विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री पूरे देश के प्रधानमंत्री हैं आज वह पूरे विश्व के नेता के रूप में हैं उनकी माता को आपत्तिजनक टिप्पणियां करना पूरे देश की माता बहनों के खिलाफ यह टिप्पणियां है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की माता के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां पूरे बिहार के लिए शर्म की बात है। क्योंकि बिहार की धरती पर महागठबंधन के मंच पर जहां बड़े-बड़े नेताओं के सामने यह अभद्र टिप्पणियां कभी बिहार की जनता माफ नहीं करेगी। आगामी चुनाव में बिहार की जनता उनको जरूर जवाब देगी। प्रेस वार्ता कर बगहा नगर में भाजपा युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा ने संयुक्त रूप से धरना प्रदर्शन एवं महागठबंधन के पूरे देश के नेता बन रहे राहुल गांधी एवं बिहार के नेता बन रहे तेजस्वी यादव का पुतला दहन करके अपना विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रितु जायसवाल, हृदयानंद दुबे, नागेंद्र साहनी, अमरेश श्रीवास्तव, प्रमोद राम युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विशाल पांडे, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष रश्मि रंजन, नगर मंडल अध्यक्ष राजन गुप्ता, कार्यालय मंत्री अमित पांडे, दीपू जयसवाल, विवेक यादव, अवधेश गुप्ता, शैलेश दुबे, अविनाश मिश्रा, अमन सिंह, सिद्धांत राज समेत दर्जनों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जीविका की वार्षिक आम सभा आयोजित, महिलाओं को स्वावलंबन की राह पर बढ़ाने का आह्वान

बीएनएम@ हरसिद्धि

प्रखंड क्षेत्र के अनिल वाटिका, सेवराहा चौक के समीप शनिवार को प्रखंड परियोजना क्रियान्वयन इकाई हरसिद्धि के तत्वावधान में वर्ष 2025 की वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जीविका समिति की सदस्य गुड्डी देवी ने की, जबकि आयोजन चमक जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड धीवादार में हुआ। सभा को संबोधित करते हुए जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधक भारद्वाज ने कहा कि हर वर्ष एक समूह का लेखा-जोखा सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत किया जाता है, ताकि सभी सदस्य वर्षभर किए गए कार्यों की जानकारी प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि जीविका से जुड़कर सैकड़ों महिलाएं आज स्वावलंबी बन चुकी हैं और रोजगार के माध्यम से अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं। बीपीएम भारद्वाज ने कहा कि बिहार सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी महिलाओं तक पहुंचाई गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से हर घर महिलाओं को 10 हजार रुपये रोजगार हेतु दिए जाने की योजना की भी विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि हरसिद्धि प्रखंड में सैकड़ों समूह सक्रिय हैं, जिनसे जुड़कर हजारों महिलाएं ऋण लेकर स्वरोजगार कर रही हैं और धीरे-धीरे किस्त चुकाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रमुख प्रतिनिधि मनोज कुमार ने किया। मौके पर पंचायत समिति सदस्य विजय कुशवाहा, दिनेश पटेल, शिवजी यादव समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी को लिखा पत्र

बीएनएम@ जमुई /झाझा

जिले के झाझा प्रखंड के महापुर गावं के ग्रामीणों ने ग्रामीण सड़क पर कब्जा किए हुए जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग को लेकर अंचलाधिकारी को पत्र लिखकर समस्या का समाधान करने की गुहार लगाया है। ग्रामीण नंदलाल यादव, जितेंद्र यादव, नीरज, राजीव समेत दर्जनों ग्रामीणों के हस्ताक्षरयुक्त आवेदन में बताया गया कि महापुर गांव में बरमसिया- परासी पीडब्लूडी रोड में कालीमंदिर से बजरंगबली मंदिर तक 12 फीट से भी कम सड़क बना हुआ जबकि 18 फीट सड़क निर्माण होना निर्धारित किया गया है, लेकिन 12 फीट की सड़क बना दिए जाने से राहगीरों को आवागमन में काफी परेशानी हो रही है साथ ही भविष्य में दुर्घटना की भी संभावना बनी हुई है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि पूर्व में नापी भी हो चुका है जिसमे अजय माथुरी और प्रदीप माथुरी चौराहा पर रामनरेश यादव, सुरेंद्र ठाकुर के घर के पास अतिक्रमण हटाने की आवश्यकता है। इसके लिए पीडब्लूडी विभाग ने भी अंचल कार्यालय को पत्र लिखा था लेकिन उस पत्र के आलोक में सड़क किनारे कब्जा किए हुए जमीन को अतिक्रमण मुक्त नही किया गया जिससे सड़क 12 फीट का ही सड़क बना दिया गया।

नव संकल्प महासभा में सुगौली से होगी ऐतिहासिक भागीदारी : लोहा पांडेय

बीएनएम@ रामगढ़वा

आगामी 4 सितंबर को मुजफ्फरपुर के एमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज मैदान में होने वाली लोजपा (आर) की नव संकल्प महासभा में सुगौली विधानसभा क्षेत्र से ऐतिहासिक भागीदारी सुनिश्चित होगी। यह बात लोजपा (आर) के प्रदेश महासचिव सह सुगौली विधानसभा प्रभारी पंकज कुमार पांडेय उर्फ लोहा पांडेय ने शनिवार को रामगढ़वा बाजार स्थित अपने आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में कही। उन्होंने बताया कि महासभा की सफलता को लेकर पार्टी पदाधिकारियों की टीमें लगातार जनसंपर्क अभियान चला रही हैं। कार्यकर्ता सुगौली और रामगढ़वा प्रखंड के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर हर पंचायत, गांव और टोले तक लोगों से अपील कर रहे हैं कि वे बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल हों। लोहा पांडेय ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के "बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट" विजन और उनकी नीतियों व सिद्धांतों से प्रभावित होकर समाज के हर वर्ग के लोग लोजपा (आर) से जुड़ रहे हैं। बिहार की जनता उनमें प्रदेश का भविष्य देख रही है। उन्होंने दावा किया कि मुजफ्फरपुर में आयोजित होने वाली यह महासभा बिहार की राजनीति की दिशा और दशा दोनों बदलने का काम करेगी। प्रेस वार्ता में उनके साथ लोजपा (आर) के जिला अध्यक्ष राजदेव पासवान, रामगढ़वा प्रखंड अध्यक्ष भोला पासवान, युवा लोजपा (आर) प्रखंड अध्यक्ष अर्जुन गिरी और प्रधान महासचिव योगेश प्रसाद कुशवाहा भी उपस्थित थे।

मझौवा कोर्ट माई स्थान परिसर की भूमि पूजन के साथ तीन दिवसीय कंस बध मेला शुरु

लोक आस्था और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उत्सव - जय नारायण शाही

बीएनएम@ बगहा

प्रखंड बगहा एक के मझौवा पंचायत स्थित सर्किल मझौवा कोर्ट माई स्थान परिसर में आयोजित परंपरागत तीन दिवसीय कंस बध मेला शनिवार को विद्वान पंडितों द्वारा भूमि पूजन के साथ हर्षोल्लास और श्रद्धा पूर्वक शुभारंभ की गई। पंचायत के पूर्व मुखिया सह प्रबुद्ध समाजसेवी जयनारायण शाही ने कंस बध मेला को लोक आस्था और संस्कृति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।कहा कि यह मेला धार्मिक आयोजन ही नहीं बल्कि हमारी लोक आस्था , परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उत्सव है। समाज एवं परिवार के साथ मिलजुल कर इस तरह के लोकाचार को धुमधाम और उत्साह के साथ मनाना हमें यह एहसास कराता है कि हमारी संस्कृति ही हमारी असली पहचान है।मझौवा पंचायत के पूर्व सरपंच सह पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि बब्लू मिश्रा ने कहा कि परंपरायें ही हमें समाज और राष्ट्र से जोडती है। इन्हीं मूल्यों के आधार पर आत्म निर्भर एवं सशक्त भारत का निर्माण संभव है। पंचायत के उप मुखिया परशुराम साह ने कहा कि मझौवा पंचायत के कंस बध मेला ऐतिहासिक मेला है। तथा वर्षों से क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक रहा है। विभिन्न पंचायत के हजारों हजार की संख्या में लोग कंस बध मेला देखने आतें है, तथा रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लेते हैं।

संस्कृति के संरक्षण का लिया संकल्प- पंचायत के मुखिया रुदल मुसहर, समाजसेवी बब्लू शाही, समेत कंस बध मेला समिति के कई सदस्यों ने बताया कि कंस बध मेला की ऐतिहासिक झांकी लोगों को धर्म और संस्कृति से जोड़ने की कार्य करती है। उन्होंने कहा कि परंपराओं से जूड कर उत्सव के हिस्सा बनना है, तो समाज को एकजुट होने की प्रेरणा मिलती है। मेला समिति के सदस्यों और स्थानीय समाजसेवियों सहित ग्रामीणों ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का स्मरण करते हुए परंपरा और संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लिया।

सरकारी फैसले से किसान नाराज

ये प्रकरण बताता है कि किस कदर कृषि एवं उद्योग क्षेत्र परस्पर विरोधी धरातल पर चले गए हैं। यह विकास की समग्र दृष्टि के अभाव का परिणाम है। स्वस्थ अर्थव्यवस्था में उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों के बीच साझा हित होते हैं। अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते की बातचीत में मुख्य अड़चन डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन की कृषि एवं डेयरी संबंधी क्षेत्र को अमेरिकी निर्यात के लिए पूरी तरह खोलने की मांग से आई। नरेंद्र मोदी सरकार का दावा है कि उसने किसानों के हित पर समझौता करने से इनकार कर दिया। मगर उसका खामियाजा कारखाना क्षेत्र को भुगतना पड़ रहा है। अमेरिका ने भारत पर भारी आयात शुल्क थोप दिया, जिससे निर्यात निर्भर उद्योगों के सामने बड़ी मुश्किल आ पड़ी है। मतलब यह कि नव-उदारवादी दौर में भारत ने विकास का ऐसा मॉडल अपनाया, जिसमें अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में अंतर्विरोध बढ़ता चला गया है। इसकी सबसे बड़ी मिसाल कपड़ा एवं वस्त्र उद्योग है। अमेरिकी बाजार में आई रुकावट के दुष्प्रभाव से राहत पाने के लिए कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने सरकार से कपास पर आयात शुल्क को हटाने की मांग की। सरकार ने तुरंत ये मांग मान ली। 11 फीसदी का आयात शुल्क समाप्त कर दिया गया। 19 अगस्त से लागू इस फैसले का तुरंत असर हुआ। दो दिन के भीतर ही कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने कपास के दाम में 1,100 रुपये प्रति कैंडी की कटौती कर दी। इस कारण वस्त्र उद्योग की लागत काफी कम हो जाएगी और वह अपने उत्पादों को अपेक्षाकृत सस्ती दर पर निर्यात कर सकेगा। मगर इस सरकारी फैसले से किसान नाराज हो गए हैं। उनके संगठन संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने इस कदम को कपास किसानों के लिए मौत की गारंटी बताया है। उसने पूछा है कि किसानों को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताने का प्रधानमंत्री का दावा अब कहां गया? एसकेएम ने इस कदम खिलाफ कपास पैदावार वाले क्षेत्रों में आंदोलन छेड़ने का एलान किया है। ये प्रकरण बताता है कि भारत में किस कदर कृषि एवं उद्योग क्षेत्र परस्पर विरोधी धरातल पर चले गए हैं। यह विकास की समग्र दृष्टि के अभाव का सूचक है। स्वस्थ अर्थव्यवस्था में उत्पादन के विभिन्न क्षेत्र के बीच साझा हित होते हैं।

प्रेम, भक्ति एवं शक्ति की अनंत ज्योति हैं राधाजी

ललित गर्ग

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अष्टमी का दिन भारतीय संस्कृति में प्रेम, भक्ति, शक्ति और समर्पण का अनोखा पर्व लेकर आता है-यह है राधाष्टमी। इसे राधा रानी का जन्मोत्सव माना जाता है। यह केवल किसी भक्ति की शिखर नारी चरित्र के जन्मोत्सव का पर्व नहीं, बल्कि उस दिव्य शक्ति की अभ्यर्थना है जिसने स्वयं श्रीकृष्ण के जीवन को एक अनूठी ऊंचाई दी। इस दिन भक्त राधा और श्रीकृष्ण की पूजा करते हैं, व्रत रखते हैं और उनकी कृपा से सुख-समृद्धि व सौभाग्य की प्राप्ति की कामना करते हैं। ब्रजभूमि, खासकर बरसाना में इसे बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। राधाजी प्रेम, भक्ति और श्रीकृष्ण के भीतर छिपी शक्ति का प्रतीक हैं; वह प्रेम की पराकाष्ठा, भक्ति की देवी और श्रीकृष्ण की आंतरिक शक्ति के रूप में पूजी जाती हैं। उनका दिव्य प्रेम आध्यात्मिक प्रेम की एक मिसाल है। यदि श्रीकृष्ण लीला, माधुर्य और करुणा के अवतार हैं, तो राधा उस लीला का रस, उस माधुर्य की गहराई और उस करुणा की आत्मा हैं। इसीलिए भारतीय भक्ति परंपरा में कहा गया-"राधे बिनु नहीं कृष्ण, कृष्ण बिनु नहीं राधे"। राधा भारतीय संस्कृति में केवल एक स्त्री का नाम नहीं हैं, वे प्रेम की पराकाष्ठा और भक्ति की सर्वोच्च अभिव्यक्ति हैं। उनका प्रेम सांसारिक या देहाधारित नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा का मिलन है। यह प्रेम स्वार्थ और अधिकार से परे है, यह प्रेम केवल समर्पण और तादात्म्य का है। राधा का जीवन त्याग और अनुराग का अद्भुत समन्वय है। उन्होंने कभी अपने लिए कुछ नहीं चाहा, उनका हर भाव, हर श्वास केवल श्रीकृष्ण में रमा रहा। यही कारण है कि भक्त कवियों ने राधा को 'भक्ति-रस की मूर्ति' और 'प्रेम की अधिष्ठात्री देवी' कहा। सूरदास ने लिखा-'प्रेम भया मनु भाव समाना, राधा तन मन कृष्ण बखाना।' अर्थात्, प्रेम ऐसा हो कि हृदय और आत्मा में केवल श्रीकृष्ण का ही वास हो जाए। निश्चित ही राधा और श्रीकृष्ण का संबंध, आत्मा और परमात्मा का अद्भुत एवं विलक्षण संवाद है। सामान्य दृष्टि से देखने पर राधा और श्रीकृष्ण का संबंध केवल प्रेमिका-प्रेमी का प्रतीत हो सकता है, लेकिन इसका वास्तविक अर्थ बहुत गहन है। यह संबंध सांसारिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक है। यह आत्मा और परमात्मा का शाश्वत संवाद इसलिये है कि इसमें किसी प्रकार का मोह, स्वार्थ या वासना नहीं है। राधा श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व को पूर्णता प्रदान करती हैं। श्रीकृष्ण लीला के केंद्र हैं, परंतु वह लीला राधा के बिना अधूरी है। इसीलिए भक्त परंपरा में श्रीकृष्ण का नाम लेने से पहले राधा का नाम लिया जाता है, "राधे-कृष्ण", "श्यामा-श्याम"। यह क्रम अपने आप में गहरा दार्शनिक संदेश देता है कि परमात्मा तक पहुँचने का मार्ग राधा जैसे प्रेम और भक्ति से होकर जाता है। राधा केवल श्रीकृष्ण की प्रेयसी नहीं, बल्कि उनकी शक्ति और प्रेरणा हैं। गीता में श्रीकृष्ण ने प्रकृति के दो रूप बताए हैं-अपरा और परा। राधा को 'परा प्रकृति' का स्वरूप माना जाता है, जो जीवन को आध्यात्मिकता की ओर ले जाती है। वे श्रीकृष्ण की लीलाओं की आत्मा हैं, उनकी आराधना का आधार हैं। राधा के प्रेम में कोई अधिकार नहीं, केवल समर्पण है। उनका संदेश है कि सच्चा प्रेम पाने में नहीं, बल्कि देने में है। यही देने की भावना जीवन को ऊँचाई देती है। यह प्रेम केवल मनुष्य और मनुष्य के बीच संबंधों में ही नहीं, बल्कि मनुष्य और ईश्वर के संबंध में भी उतना ही प्रासंगिक है। राधा की भक्ति को सर्वोच्च माना गया है। उनका प्रेम निष्काम है, केवल श्रीकृष्णमय है। उन्होंने अपने अस्तित्व को ही श्रीकृष्ण में विलीन कर दिया। यही कारण है कि चैतन्य महाप्रभु ने राधा की भक्ति को अपनाया और

उसी रस में डूबकर कहा-'मैं राधा की भक्ति में श्रीकृष्ण को देखता हूँ और श्रीकृष्ण की भक्ति में राधा को।' सूरदास, रसखान, विद्यापति, मीराबाई-सभी भक्त कवियों ने राधा के माध्यम से ही प्रेम और भक्ति के गहनतम स्वरूप का चित्रण किया। मीराबाई ने जब कहा-"मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई"-तो उसमें राधा का ही भाव प्रतिध्वनित होता है। आज के समय में जब संबंधों में स्वार्थ, गणना और तात्कालिकता का समावेश बढ़ता जा रहा है, तब राधा का चरित्र हमारे लिए नई रोशनी देता है। सच्चा प्रेम वही है जिसमें समर्पण, विश्वास और त्याग हो। समकालीन जीवन में जहां परिवार और समाज टूटते जा रहे हैं, वहां राधा का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो उठता है। उनका जीवन बताता है कि जब तक हम संबंधों को केवल लाभ-हानि की दृष्टि से देखते रहेंगे, तब तक उनमें स्थायित्व नहीं आएगा। स्थायित्व तभी आएगा जब उनमें राधा जैसा समर्पण होगा। भक्ति के स्तर पर भी राधा हमें प्रेरणा देती हैं। आज धर्म अक्सर कर्मकांड और बाहरी आडंबर तक सीमित होता जा रहा है। राधा हमें सिखाती हैं कि भक्ति हृदय की गहराई में होती है, जहां भक्त और भगवान का भेद मिट जाता है। जब हम राधा की तरह निष्काम होकर ईश्वर में समर्पित हो जाते हैं, तब जीवन की हर कठिनाई तुच्छ लगने लगती है और एक अद्भुत शांति प्राप्त होती है। राधा का जीवन हमें यह स्मरण कराता है कि मनुष्य का परम उद्देश्य केवल भौतिक सुख या उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा का मिलन है। वे हमें बताती हैं कि भक्ति केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि हृदय की गहराई से ईश्वर के साथ तादात्म्य स्थापित करना है। आज जब मानवता संघर्ष, तनाव और अकेलेपन से गुजर रही है, राधा हमें सिखाती हैं कि सच्चा समाधान प्रेम और समर्पण में है। यदि हम राधा के जीवन से प्रेरणा लें, तो हमारे व्यक्तिगत संबंध, सामाजिक ताना-बाना और आध्यात्मिक जीवन सब में नई ऊर्जा और शांति का संचार हो सकता है। शास्त्रों में श्री राधा श्रीकृष्ण की शाश्वत शक्तिस्वरूपा एवम् प्राणों की अधिष्ठात्री देवी के रूप में वर्णित हैं अतः राधाजी की पूजा के बिना श्रीकृष्ण की पूजा अधूरी मानी गयी है। श्रीमद देवी भागवत में श्री नारायण ने नारदजी के प्रति 'श्री राधायै स्वाहा' षडाक्षर मंत्र की अति प्राचीन परंपरा तथा विलक्षण महिमा के वर्णन प्रसंग में श्री राधा पूजा की अनिवार्यता का निरूपण करते हुए कहा है कि श्री राधा की पूजा न की जाए तो मनुष्य श्रीकृष्ण की पूजा का अधिकार नहीं रखता। स्वयं भोलेनाथ ऋषि नारदजी के पूछने पर कहते हैं कि मैं तो श्रीराधा के रूप, लावण्य और गुण आदि का वर्णन करने मे अपने को असमर्थ पाता हूं। उनके रूप आदि की महिमा कहने में भी लज्जित हो रहा हूं। तीनों लोकों में कोई भी ऐसा समर्थ नहीं है जो उनके रूपादि का वर्णन करके पार पा सके। उनकी रूपमाधुरी जगत को मोहने वाले श्रीकृष्ण को भी मोहित करने वाली है। यदि अनंत मुख से चाहूं तो भी उनका वर्णन करने की मुझमें क्षमता नहीं है।'' शास्त्रों के अनुसार, राधा के बिना कृष्ण की पूजा भी अधूरी मानी जाती है, इसलिए राधा अष्टमी का महत्व बहुत अधिक है। इस दिन व्रत और पूजा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और भक्तों को धन, ऐश्वर्य और सुख मिलता है। विवाहित महिलाएं अखंड सौभाग्य और संतान सुख के लिए राधा अष्टमी का व्रत रखती हैं। राधाअष्टमी का पर्व केवल एक जन्मोत्सव नहीं, बल्कि यह हमें यह याद दिलाता है कि सच्चा प्रेम और भक्ति किसे कहते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, राधा रानी का जन्म बरसाना में वृषभानु और कीर्तिदा के घर हुआ था। उन्हें भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य शक्ति माना जाता है। मान्यता है कि जो भक्त राधा रानी को प्रसन्न कर लेते हैं, भगवान श्री कृष्ण स्वयं उनसे प्रसन्न हो जाते हैं। राधा हमें सिखाती हैं कि प्रेम आत्मा की अनुभूति है, जो परमात्मा से जोड़ता है। वे प्रेम की उस ज्योति की प्रतीक हैं, जो न केवल श्रीकृष्ण को आलोकित करती है, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए पथप्रदर्शक बनती है। इसलिए आज के समय में राधा की प्रासंगिकता और भी गहरी हो जाती है। वे हमें जीवन का वह मार्ग दिखाती हैं, जिसमें स्वार्थ नहीं, केवल समर्पण है; जिसमें वासना नहीं, केवल आत्मा और परमात्मा का मिलन है। यही राधा का सच्चा संदेश है और यही राधाष्टमी का वास्तविक महत्व है।

हम तो ऐंवे ही हैं! क्यों आप हमारे पास आते हैं!

हरिशंकर व्यास

पहली खबर नॉर्वे की है। नॉर्वे सरकार के पेंशन का एक वैश्विक सॉवरेन वेल्थ फ़ंड है। लगभग दो ट्रिलियन डॉलर का कोष। इसे वहां की सरकार ने 1990 में तेल की कमाई को जमा करते हुए बनाया। यह विश्व में निवेश कर देशवासियों की पेंशन संभालता है। इसे किस देश, किस कंपनी में निवेश करना है, इसके सुझाव का काम एक नैतिक परिषद करती है। और पता है 2022 में जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो चार दिन के भीतर नॉर्वे की संसद और वित्त मंत्रालय ने फ़ंड को रूस और उससे जुड़ी कंपनियों से पैसा निकालने, यानी विनिवेश का आदेश दिया। ऐसा होना देश की नैतिक यानी एथिकल गाइडलाइंस से था। अब इन दिनों नॉर्वे में ग़ाज़ा में इज़राइली हिंसा व नरसंहार के विवाद में इज़राइली कंपनियों से निवेश हटाया जा रहा है। जैसे इज़राइल को लड़ाकू विमानों की सप्लाई करने वाली कंपनी से फ़ंड अपना निवेश निकाल रहा है। नॉर्वेजियन फ़ंड ने इज़राइल से जुड़ी छह कंपनियों को ब्लैकलिस्ट किया है। इसका क्या अर्थ है? बुनियादी तौर पर यह कि नॉर्वे उन रामजी के रामराज्य का एक सभ्यागत प्रतिनिधि देश है, जहां नैतिकता व मर्यादा का मान है। नॉर्वे राष्ट्र-राज्य यानी देश की एक नैतिक वैचारिक विदेश नीति है। वह क्या सही है, क्या ग़लत, कौन राम है और कौन रावण की एथिकल गाइडलाइंस में मानवाधिकारों, बाल मानवाधिकार उल्लंघनों, हिंसा, युद्ध के दौरान अमर्यादित व्यवहार, विवादित सैन्य गतिविधियों जैसे नैतिक मुद्दों को ध्यान में रखकर आचरण यानी निर्णय करता है। ध्यान रहे नॉर्वे कोई इस्लामी या ऑर्थोडॉक्स ईसाई देश नहीं है; बावजूद इसके वहां की राजनीति में, संसदीय बहस में सभी विचारधाराओं (दक्षिण, वाम, पर्यावरणवादी ग्रीन, मध्य-दक्षिण, लेबर पार्टी) की पार्टियों, जनमानस में यह प्राथमिकता है कि देश एथिकल गाइडलाइंस के पैमाने पर ही राष्ट्रीय पहचान, नीति व सरोकार रखे। तभी प्रधानमंत्री जोनेस गार स्टोरे को जून में 17 इज़राइली कंपनियों से विनिवेश की घोषणा करनी पड़ी। मतलब जन सर्वेक्षणों में नॉर्वेजियन नागरिकों का यह दबाव स्थायी है कि कुछ भी हो जाए, विदेश नीति में देश को अपनी इमेज एक 'नैतिक ताक़त या मानवता की महाशक्ति की बनाए रखनी होगी। इससे कोई समझौता नहीं। अब ज़रा शनिवार को भारत के विदेश मंत्री जयशंकर के इस बयान पर ग़ौर करें। उन्होंने अमेरिका पर निशाना साधते हुए कहा, 'हमने तो ख़रीदने के लिए मजबूर नहीं किया था। अगर आपको अच्छा नहीं लगता है तो आप भारत से तेल नहीं ख़रीदें! अगर आपको भारत से तेल या परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद ख़रीदने में समस्या है तो मत ख़रीदिए। किसी ने आपको ख़रीदने के लिए बाध्य नहीं किया है। लेकिन यूरोप ख़रीदता है, अमेरिका ख़रीदता है, अगर आपको पसंद नहीं है तो मत ख़रीदिए। क्या अर्थ है इसका? क्या यह नहीं कि हम तो धंधेबाज़ हैं। हमारा कोई धर्म-ईमान नहीं। हम नंगे खड़े हैं बाज़ार में! आपको किसने कहा था आने के लिए! सचमुच, ईमानदारी से दिल पर हाथ रख सोचें। क्या यही रामजी की पार्टी की, मोदी सरकार की अब तक की रीति-नीति का सार नहीं है? किस बेशर्मी के साथ भारत क्रोनी पूंजीवादी अंबानी के तेल धंधे को सही, जायज़ बता रहा है? भारत और उसके धंधेबाज़ों ने नैतिकता को ताक पर रख मौके का फ़ायदा उठाया और रूस से सस्ता कच्चा तेल लेकर, उसे रिफ़ाइन कर चोरी-छुपे यूरोप या एक्स–वाई–ज़ेड ग्राहकों को महंगा तेल बेच भरपूर मुनाफ़ा कमाया! और ऊपर से भारत के विदेश मंत्री की दुनिया को यह नसीहत कि आपने अनैतिकता की भारत मंडी से ख़रीदा ही क्यों? हम तो धंधेबाज़, लुढ़कते लोटे हैं, हमसे क्यों नाता रखते हैं? दलील हो सकती है कि नरेंद्र मोदी भारत को विकसित देश बना रहे हैं। और यह तब संभव है जब बिक्री-ख़रीद के धंधे के बाज़ार में हमारी क़ीमत लगे और कमाई हो! इसलिए भारत को भला नैतिकता, राष्ट्र विशेष की सार्वभौमता, नियम, क़ानून-मर्यादा, युद्ध दौरान अमर्यादित व्यवहार, विवादित सैन्य गतिविधियों, मानवाधिकारों व मानवता, नैतिकता की क्यों चिंता करनी चाहिए? हम अमीर हो रहे हैं न? अंबानी-अडानी जगतसेठ बन रहे हैं तो उनके साथ भारत भी सोने की लंका हो रहा है! यदि ऐसा है और रामजी की मर्यादाओं, नैतिकताओं को धंधे के राष्ट्रहित में यदि भारत सरकार ने क़ुर्बान कर दिया है तो इसका तब बेबाक़ी से ऐलान कर देना चाहिए कि दुनिया के लोगों गांधी के रामराज्य और नेहरू के 1947 के घोषित संकल्प दुनिया की नैतिक आवाज (द्रशह्लड्डद्य 1शद्बष्द्ग शद्ब ह्लद्बद्ग 2शह्यस्र) या सत्यमेव जयते के सनातन धर्म को त्यागने की भारत राष्ट्र, भारतीय सभ्यता घोषणा करती है। सो, सवाल है, क्या आज का भारत रामजी का अनुयायी, उनकी विरासत का अंशमात्र धर्म भी लिए हुए है? हम सनातनी हिंदुओं ने क्या यह पढ़ा-समझा नहीं है कि यदि मर्यादा और नैतिकता का आग्रह नहीं है तो फिर वैसा होना रावण होना है। रावण की सोने की लंका है! इसलिए स्वतंत्र भारत के 78 वर्षों के शासन का यह गंभीर प्रश्न है कि रामजी का नाम लेकर शासन कर रही मोदी सरकार ने अपने ग्यारह वर्षों के अब तक के कार्यकाल की विदेश नीति में क्या तनिक भी नैतिकता कभी दिखी? हाल में तिब्बत पर चीन के क़ब्ज़े के 75 वर्ष या दलाई लामा के 90 वर्ष के होने जैसे मौक़े हों या म्यांमार में मानवाधिकारों के हनन जैसे तमाम मामलों में मोदी सरकार ने मानवता से सरोकार वाले किसी भी एक मसले पर कभी कोई स्टैंड नहीं लिया। चीन से भयाकुल सरकार ने तिब्बत पर चीन के 75 वर्षों के दमनकारी प्रभुत्व पर एक वाक्य की टिप्पणी नहीं की। 90 वर्ष के दलाई लामा के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री मोदी का धर्मशाला जाने का नैतिक साहस नहीं था! क्यों? क्या हिंदू धर्म-कर्म में मानवीयता, मर्यादा, नैतिकता, नैतिक साहस का मनुष्य व्यवहार वर्जित है? क्या मोदी सरकार के लिए आदर्श रावण की अनैतिक, स्वार्थी, अहंकारी विदेश नीति ही हिंदू राष्ट्र का रोडमैप है? सोचें, याद करें पिछले ग्यारह वर्षों पर। मुझे कोई ध्यान नहीं आ रहा है जो प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार, विदेश मंत्रालय ने कभी भी, एक भी ऐसा साहसी, सत्यवादी, मानवाधिकारों के खातिर, लोकतंत्रवादी बयान दिया या कोई स्टैंड लिया, जिससे लगे कि भारत राम के नाम पर, उनके आदर्शों, मर्यादाओं की तनिक भी नैतिक गूंज लिए हुए है। दलील दे सकते हैं भारत अब एक महाशक्ति देश है। इसलिए नैतिकता जाए भाड़ में! हमें अपना राष्ट्रहित, अपना स्वार्थ देखना है। अपनी जीडीपी बढ़ानी है। विकसित बनना है। सुरक्षा की चिंता करनी है। चीन को खुश रखना है। हमें सिफ़र् स्वार्थों के लक्ष्यों की स्वार्थपूर्ति की राष्ट्र नीति और विदेश नीति बनाए रखनी है। मेरा मानना है कि यूक्रेन-रूस युद्ध हो या इज़राइल के नेतन्याहू की ग़ाज़ा तबाही की ज़िद, जैसे सभी मसलों (इमिग्रेशन, पर्यावरण, ट्रंप संकट, भारत-पाक भिड़ंत, आतंकवाद, म्यांमार, पड़ोसी देशों से रिश्ते) में भारत रामजी यानी रामराज्यवादी पार्टी की सरकार के नाते मर्यादाओं यानी दुनिया की नैतिक आवाज़ के रूप में आचरण बनाता तो शायद वह नहीं होता जो हुआ है। मैं नेहरू की निर्गुट नीति को अर्थहीन मानता रहा हूं, बावजूद इसके यह तो हक़ीक़त है कि गांधी और नेहरू की भाव-भंगिमा ने भारत को उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद और नस्लवाद के ख़िलाफ़ दुनिया का एक नैतिक अगुआ बनाया था। भारत की छवि तब नई दुनिया की नैतिक शक्ति व एशियाई अंतरात्मा के संरक्षक की थी।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आप अपने कार्यक्षेत्र में बदलाव लेकर आयेंगें, जिसकी वजह से आपको बड़ा लाभ होगा। आपकी कोशिशों में एक नयी किरण जगमगाएगी और जल्द ही आपको सफलता मिलेगी। आज आप अपनी मेहनत और लगन से विरोधी को परास्त कर देंगे। आज लवमेट के साथ किसी अच्छे रेस्टोरेंट में जाकर आप खाना खायेंगे।

वृषभ राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक – ठाक रहेगा। आज आपके कारोबार में दुगुना धन लाभ होगा। आज आप मार्केट जाकर परिवार के लोगों के लिए गिफ्ट खरीदेंगे, जिससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी। आज आप पैसों के लेन – देन से बचें और व्यर्थ के खर्चो को कम करें। इस राशि की महिलाएं आज बच्चों के लिए स्वादिष्ट भोजन बनायेंगी, बच्चों को ख़ुशी मिलेगी।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम बना रहेगा। आज आप कर्मचारियों के साथ अपना रवैया अच्छा बनाये रखें, जिससे वे मन लगाकर काम करें। आज आप दोस्तों के साथ खूब हंसी मजाक करेंगें लेकिन एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना जरूरी है। आज सामाजिक गतिविधियों में आपकी उपस्थिति रहेगी और किसी उलझन का भी हल मिलेगा, अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज किसी काम के प्रति आपकी जिम्मेदारी बढ़ेगी , जिसमें आप अपने कलीग की सहायता ले सकते हैं। आज अचानक आपके घर पर किसी मेहमान का आगमन हो सकता है, जिसके चलते व्यस्तता बनी रहेगी। आज आपको किसी समारोह में शामिल होने का निमंत्रण मिलेगा, जिससे आपसी मेलजोल बढ़ेगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको आपके सवालों के सारे जवाब मिलेंगे, जिससे आपको ख़ुशी मिलेगी। आज आपकी कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मुलाकात होगी और कुछ बेहतरीन जानकारियां भी मिलेंगी। आज आपको जीवनसाथी से सरप्राइज मिलने की संभावना है। धन लाभ के भी योग हैं, मां लक्ष्मी आप पर कृपा बरसाएंगी।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपके मन में कुछ नए विचार आ सकते हैं, जो फ्यूचर में आपके लिए लाभदायक साबित होंगे। आज आपके घर में मेहमान का आगमन हो सकता है ,जिससे घर परिवार में भी खुशी भरा माहौल रहेगा। आज आपको किसी करीबी के माध्यम से धनलाभ होने के योग बन रहें हैं।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए उत्साह से भरा रहेगा। आज आपकी करोबारी गतिविधियां अच्छी चलेंगी, आपको रोज की अपेक्षा अधिक धन लाभ होगा । आज आपकी पारिवारिक समस्याएं सुलझ जाएंगी, जिससे घर का माहौल खुशनुमा बनेगा। आज आप बच्चों के साथ शॉपिंग करने मार्केट जायेंगे, जिससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी। आज काम की अधिकता रहेगी , लेकिन आप अपने खाने – पीने का ध्यान अवश्य रखें।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए मिली – जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपके किसी निर्णय से परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। आज आप अपने काम को पूरा करने के लिए किसी करीबी की मदद ले सकते हैं, बेहतर होगा आप अपने विवेक का उपयोग करेंगे। आज आप समय निकालकर थोड़ी देर बुजुर्गों के साथ बैठेंगे, जिससे आपको जरूरी बातें पता चलेंगी।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक – ठाक रहने वाला है। आज आपको व्यापार में बढ़िया धन लाभ होगा , आपके घर में भौतिक साधनों की बढ़ोतरी होगी। आज आप किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए जीवनसाथी की मदद ले सकते हैं। आज कार्यभार की वजह से शारीरिक और मानसिक थकान हो सकती है।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप ऑफिस की मीटिंग में अपने विचार रखेंगे , जो सभी को बहुत पसंद आयेंगे। आज किसी आदर्श व्यक्ति की प्रेरणा से सजगता और भरपूर ऊर्जा मिलेगी।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप अपने कारोबार को और बड़ा बनाने का प्रयास करेंगे। आज आप किसी दोस्त से मिलने उसके घर जा सकते हैं, उससे मिलकर आपको ख़ुशी मिलेगी। आज आपको संतान की तरफ से संतोषजनक नतीजे मिलने से सुकून मिलेगा।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप घर शिफ्ट करने में अपने मित्र की मदद ले सकते हैं। इस राशि के विवाहितों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। आज आपको कार्यप्रणाली में लाए गए परिवर्तन के अनुकूल परिणाम मिल सकते हैं।

बच्चियों की सुरक्षा, न्यायालय और पर्सनल लॉ : जरूरी है समान नागरिकता

डॉ. निवेदिता शर्मा

भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के सामने इस समय सबसे गंभीर सवाल यह है कि क्या देश की बच्चियों और बच्चों की सुरक्षा उनकी धार्मिक पहचान और पर्सनल लॉ से तय होगी या फिर संविधान और संसद द्वारा बनाए गए कानून सभी पर समान रूप से लागू होंगे। यह सवाल केवल कानूनी तकनीक या न्यायिक व्याख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के भविष्य और राष्ट्र की दिशा तय करने वाला है। हाल के वर्षों में विभिन्न उच्च न्यायालयों ने मुस्लिम पर्सनल लॉ का हवाला देते हुए यह कहा कि यदि कोई मुस्लिम लड़की यौवन प्राप्त कर चुकी है तो उसका विवाह, भले ही वह 18 वर्ष से कम उम्र की हो, वैध माना जाएगा। इन निर्णयों के पीछे तर्क दिया गया कि शरीयत के अनुसार यौवन विवाह की क्षमता प्रदान करता है। परंतु यह व्याख्या बच्चों के अधिकारों, संसद द्वारा बनाए गए पॉक्सो कानून और संविधान के मूलभूत सिद्धांतों को सीधी चुनौती देती है। संसद ने 2012 में बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए पॉक्सो अधिनियम पारित किया। इसमें साफ-साफ परिभाषा दी गई कि 18 वर्ष से कम उम्र का हर व्यक्ति बच्चा है और उसके साथ किसी भी प्रकार का यौन संबंध अपराध है, चाहे वह विवाह के नाम पर ही क्यों न हो। जब अदालतें पर्सनल लॉ के आधार पर इस प्रावधान को दरकिनार करती हैं, तो केवल कानून का उल्लंघन नहीं होता, बल्कि यह एक ऐसी दोहरी व्यवस्था पैदा करता है, जो संविधान की समानता की गारंटी को कमजोर करती है। संवैधानिक कसौटी और समानता का सवालः संविधान के अनुच्छेद 14 सभी को समानता का अधिकार देते हैं, अनुच्छेद 15(3) महिलाओं और बच्चों को विशेष संरक्षण प्रदान करता है और अनुच्छेद 21 हर नागरिक को गरिमा और जीवन का अधिकार सुनिश्चित करता है। ये अधिकार धर्म या परंपरा पर निर्भर नहीं हैं। जब हिंदू, सिख, ईसाई, बौद्ध या पारसी बच्चियों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष है, लेकिन मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत इसे 15 या 16 वर्ष में वैध ठहराया जाता है, तो यह नागरिकता की समानता के सिद्धांत पर सीधा आघात है। राष्ट्र तभी "एक कानून, एक सुरक्षा" की दिशा में आगे बढ़ सकता है, जब सभी बच्चियों को उनकी धार्मिक पहचान से परे समान सुरक्षा मिले। अन्यथा भारत दोहरी व्यवस्था वाला देश बन जाता है,

जहाँ एक समुदाय की बेटी को राज्य का संरक्षण मिलता है और दूसरी बेटी उसी उम्र में "वैवाहिक बंधन" के नाम पर असुरक्षित छोड़ दी जाती है। विधिक ढांचा और न्यायालयों की व्याख्याः देश में बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 और पॉक्सो अधिनियम, 2012 दोनों स्पष्ट रूप से 18 वर्ष की आयु से पहले विवाह और यौन संबंधों को अपराध घोषित करते हैं। इतना ही नहीं, उच्चतम न्यायालय ने 2017 में इंडिपेंडेंट थॉट बनाम यूनियन ऑफ इंडिया के ऐतिहासिक फैसले में कहा कि यदि पत्नी की आयु 18 वर्ष से कम है तो उसके साथ यौन संबंध बलात्कार के समान अपराध होगा। इस फैसले ने परंपरा को बच्चों की सुरक्षा से ऊपर रखने से इनकार किया और संविधान की सर्वोच्चता को स्थापित किया। बावजूद इसके, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय जैसे कुछ न्यायालयों ने मुस्लिम पर्सनल लॉ का हवाला देकर नाबालिग विवाह को मान्यता दी। वहीं, दिल्ली और केरल उच्च न्यायालय ने साफ कहा कि पॉक्सो सभी व्यक्तिगत कानूनों से ऊपर है। यह विरोधाभास अपने आप में इस आवश्यकता को रेखांकित करता है कि अब सर्वोच्च न्यायालय को संविधान पीठ गठित कर स्पष्ट और सर्वमान्य निर्णय देना चाहिए। एनसीपीसीआर और न्यायपालिका का रुखः बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए संसद ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) बनाया। यही संस्था जब सुप्रीम कोर्ट में पहुंची तो उसकी याचिका को यह कहकर खारिज कर दिया गया कि वह "अजनबी" है और मामले में उसकी लोकस स्टैंडी नहीं है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। अगर बच्चों की वैधानिक संरक्षक संस्था को ही न्यायपालिका सुनने को तैयार न हो, तो फिर बच्चियों की आवाज कौन उठाएगा? संसद को चाहिए कि वह एनसीपीसीआर को यह अधिकार स्पष्ट रूप से प्रदान करे कि वह सीधे सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में बच्चों के अधिकारों से जुड़े मामलों में हस्तक्षेप कर सके। बाल विवाह आज भी सामाजिक चुनौतीः यह प्रश्न अक्सर मुस्लिम पर्सनल लॉ तक सीमित कर दिया जाता है, लेकिन सचाई यह है कि बाल विवाह पूरे देश में एक व्यापक सामाजिक समस्या है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के अनुसार भारत में 23 प्रतिशत लड़कियां 18 वर्ष से पहले विवाह कर लेती हैं। ग्रामीण इलाकों में यह दर और अधिक है। पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और असम जैसे राज्यों में बाल विवाह की दर 30 प्रतिशत से ऊपर है। इन आँकड़ों से साफ है कि समस्या किसी एक धर्म या समुदाय की नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना और पिछड़ेपन से जुड़ी है। लेकिन जब न्यायालय पर्सनल लॉ के आधार पर बाल विवाह को वैध ठहराते हैं, तो यह सामाजिक समस्या और गहरी हो जाती है। अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य और भारत की प्रतिबद्धताः भारत ने संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार संधि (यूएनसीआरसी) पर 1992 में हस्ताक्षर किए। इस संधि के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु का हर व्यक्ति बच्चा है और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य का दायित्व है। भारत ने सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी-5.3) के तहत 2030 तक बाल विवाह समाप्त करने का संकल्प भी लिया है। महत्वपूर्ण यह है कि कई मुस्लिम-बहुल देशों जैसे इंडोनेशिया, मलेशिया और बांग्लादेश ने विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तय की है। बांग्लादेश ने 2017 में बाल विवाह निषेध अधिनियम लाकर नाबालिग विवाह को अपराध घोषित किया। यह स्पष्ट करता है कि यह धर्म का नहीं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा और सामाजिक सुधार का वैश्विक एजेंडा है। मुस्लिम समाज के भीतर सुधार की आवाजः मुस्लिम समाज के भीतर भी बड़ी संख्या में लोग बाल विवाह का विरोध कर रहे हैं। अनेक मुस्लिम महिला संगठन और सामाजिक कार्यकर्ता इस बात पर जोर देते हैं कि इस्लाम बाल विवाह को बढ़ावा नहीं देता।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

बीसीसीसी का फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद ही एशिया कप के लिए उड़ान भर सकेंगे शुभमन

नई दिल्ली । एशिया कप 2025 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान बनाये गये शुभमन गिल को एशिया कप के लिए रवाना होने से पहले फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। भारतीय टीम 4 सितंबर को दुबई के लिए उड़ान भरेगी, मगर इससे पहले शुभमन को अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। वह पिछले कुछ समय से बुखार के कारण दिलीप ट्रॉफी से भी बाहर हो गये हैं। ऐस में अब उन्हें एशिया कप के लिए बीसीसीआई का एक टेस्ट पास करना होगा। जिसके बाद ही वह दुबई जा सकेंगे। यह टेस्ट एशिया कप के लिए जाने वाले सभी खिलाड़ियों के लिए जरुरी है। बोर्ड किसी भी खिलाड़ी को रियायत नहीं देना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार शुभमन फिटनेस टेस्ट के लिए बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट

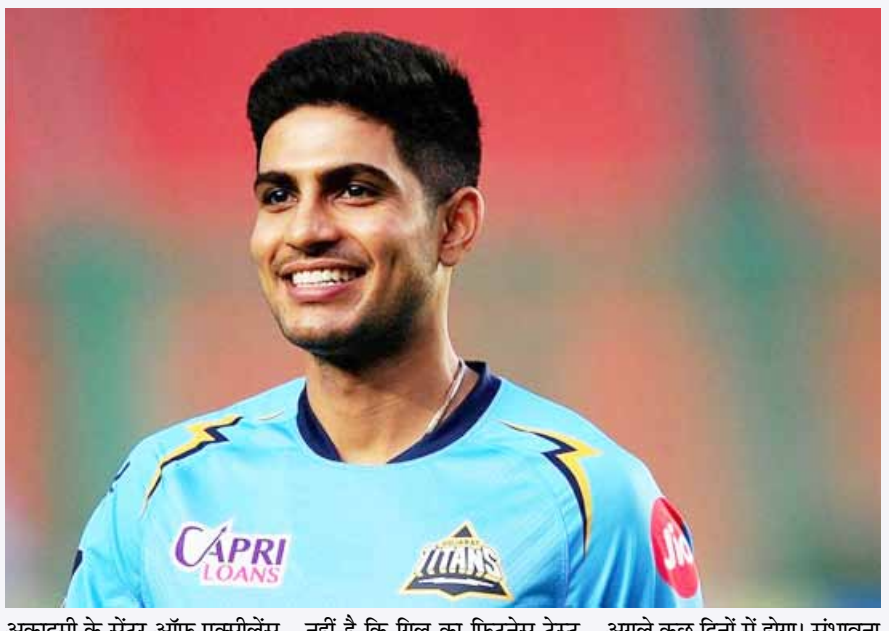

अकादमी के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) पहुंच गए हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि गिल का फिटनेस टेस्ट कब होगा, लेकिन संभवतः यह अगले कुछ दिनों में होगा। संभावना है कि गिल एशिया कप के लिए बेंगलुरु से सीधे यूएई जाएंगे।

रिपोर्ट में बताया गया है कि गिल पिछले कुछ समय से बीमार होने के कारण चंडीगढ़ में आराम कर रहे थे, इसी वजह से उन्हें दलीप ट्रॉफी से भी बाहर होना पड़ा था। ठीक होने के बाद उन्होंने कुछ अभ्यास भी किया था। एशिया कप के लिए भारतीय टीम 4 सितंबर को दुबई पहुंचेगी। खिलाड़ी अपने-अपने स्थाने से उड़ान भरेंगे और दुबई में एकत्रित होंगे। माना जा रहा है कि टीम मैनेजमेंट ने पहला नेट सत्र 5 सितंबर को रखा है। हालांकि नेट अभ्यास के लिए स्थान अभी तय नहीं किया गया है पर संभावना है कि यह दुबई स्थित आईसीसी अकादमी में आयोजित किया जाएगा। भारतीय टीम ने इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में अपने सफल अभियान के दौरान यही अभ्यास किया था।

पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने ब्रोन्को टेस्ट पर सवाल उठाये, बोले रोहित को बाहर करने लाया गया

कोलकाता । अपने बयानों के लिए चर्चाओं में रहने वाले पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने दावा किया है कि फिटनेस के लिए जो ब्रोन्को टेस्ट लाया गया है। उसका लक्ष्य रोहित शर्मा को एकदिवसीय टीम से बाहर करना है। तिवारी के अनुसार कोई है जो नहीं चाहता कि रोहित आगे खेलें। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि आम तौर पर रग्बी खिलाड़ियों को ही इस प्रकार के टेस से गुजरना पड़ता है पर हैरानी की बात है कि भारतीय टीम के स्ट्रेंथ ऐंड कंडिशनिंग कोच एड्रिय ले रॉक्स की देखरेख में इसे भारतीय टीम के लिए रखा गया है जबकि यो-यो टेस्ट पहले से ही है। ऐसे अब टीम में जगह के लिए खिलाड़ियों को यो-यो टेस्ट, 2 किलोमीटर की दौड़ और ब्रोन्को टेस्ट तीनों से गुजरना होगा। तिवारी ने दावा किया कि ब्रोन्को टेस्ट लाने की टाइमिंग से भी कई कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं। खासकर तब जब भारतीय टीम 2027 एकदिवसीय कप से पहले संक्रमण के दौर से गुजर रही है। तिवारी ने कहा, 'मुझे लगता है कि विराट कोहली को 2027 विश्व कप की योजना से बाहर रखना बहुत मुश्किल होगा पर मुझे संदेह है कि वे रोहित को लेकर कुछ सोच रहे हैं।' तिवारी ने कहा कहा, देखिए, भारतीय क्रिकेट में क्या कुछ हो रहा है, उसे मैं बहुत ही बारीकी से देखता हूं। और मुझे विश्वास है कि यह ब्रोन्को टेस्ट जिसे कुछ दिन पहले ही लया गया है। मुझे लगता है कि यह रोहित जैसे खिलाड़ियों के लिए है। मुझे लगता है कि कोई है जो नहीं चाहता कि वह भविष्य में टीम का हिस्सा रहे। और इसीलिए इसे लाया गया है। उन्होंने कहा कि ये किसके दिमाग की उपज है समझ नहीं आ रहा।

एशिया कप में यूएई की टीम से उतरेंगे भारतीय मूल के आर्यंश

मुम्बई । एशिया कप में 10 सितंबर को भारत और यूएई के बीच खेले जाने वाले मैच में भारतीय मूल का एक क्रिकेटर आर्यंश शर्मा यूएई टीम की ओर से खेलता दिखेगा। विकेटकीपर बल्लेबाज आर्यंश का जन्म भारत में हुआ था पर जब वह दो साल का था तभी उनका परिवसर दुबई चला गया था। दुबई में पढ़ाई के दौरान ही उनकी क्रिकेट में रुचि बढ़ी और परिवार के मदद से उन्होंने क्रिकेट में अपना करियर बनाया! आर्यंश ने पहली बार 2022 अंडर-19 विश्व कप में यूएई टीम से खेला और फिर उन्होने पीछे मुड़कर नहीं देखा। आर्यंश 2024 टी20 विश्व कप क्वालीफायर्स में भी टीम का हिस्सा रहे। उन्हें बड़ा मौका 2023 में मिला, जब नेपाल में ट्राई सीरीज के लिए यूएई की सीनियर टीम में जगह मिली। अब ये क्रिकेटर भारत के

खिलाफ मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार है। भारतीय टीम को इस क्रिकेटर से सावधान रहना होगा। ये क्रिकेटर डेब्यू मैच में ही अपने प्रदर्शन से अपनी क्षमताओं को साबित कर चुका है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू मैच में ही उसने 43 गेंदों पर 60 रन बना दिये थे। अब तक उसने 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 365 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं!

सिंधु बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में हारी

पेरिस । भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप (बीडब्ल्यूएफ) 2025 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हार के साथ ही बाहर हो गयीं हैं। इससे भारत की पदक जीतने की उम्मीदें टूट गयी हैं। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सिंधु को इंडोनेशिया की कुसुमा वर्दानी ने चार घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 14-21, 21-13, 16-21 से हराया। सिंधु इस मैच की शुरुआत से ही दबाव में रही। शुरुआत में स्कोर 6-6 से बराबर था पर इसके बाद वर्दानी ने आक्रामक रुख अपना कर 11-7 की बढ़त हासिल कर ली। ऐसे में पहला गेम सिंधु 21-14 से हार गयीं। वहीं दूसरे सेट में सिंधु ने लय हासिल करते हुए शानदार प्रदर्शन कर 21-13

से जीत दर्ज की की, इसके बाद तीसरे और निर्णायक सेट में सिंधु फिर पीछे हो गयी और वर्दानी ने 16-21 से मुकाबला जीत लिया। सिंधु का पिछले कुछ समय से प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। गत नौ टूर्नामेंटों में वह दूसरे दौर में ही बाहर हुई हैं। पेरिस ओलंपिक में भी सिंधु को निराशा मिली थी। सिंधु की खराब फॉर्म से महिला एकल मैचों में भारत की परेशानी बढ़ा दी है। वहीं मिश्रित युगल में एक अन्य मुकाबले में भारत की तनिषा क्रैस्टो और ध्रुव कपिला क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही बाहर हो गयीं। अब पुरुष युगल में भारत को सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी से ही उम्मीदें हैं।

ऋषभ से युवा प्रतिभाओं को मिलती है प्रेरणा : प्रिंस यादव

नई दिल्ली । लखनऊ सुपर जॉइंट्स के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने भारतीय टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा की है। प्रिंस का कहना है की ऋषभ जिस प्रकार निडर होकर खेलते हैं, उससे युवा प्रतिभाओं को काफी प्रेरणा मिलती है। इसके साथ ही उन्हें देखकर गेंदबाजों का भी मनोबल बढ़ता है। उनकी नेतृत्व क्षमता से भी युवओं को काफी कुछ सीखने को मिलता है। प्रिंस ने कहा कि उन्हें देखतकर मुझे और अन्य युवाओं को प्रेरणा मिलती है कि किस प्रकार से दबाव में खेलते हुए भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जा सकता है। प्रिंस ने दिल्ली प्रीमियर लीग के पहले सत्र में चमकने के बाद इस साल आईपीएल में भी पदार्पण किया था। युवा तेज गेंदबाज को ऋषभ से जो सीख मिली है उससे उनका आत्मविश्वास और बढ़ा है। वह प्रेरित हुए हैं। उन्होंने कहा, ऋषभ ने मेरा हमेशा मार्गदर्शन किया। वह दबाव वाले हालातों में मुझसे अकसर कहते थे, तुम्हें कभी भी दबाव को अपने ऊपर हावी नहीं होने देना चाहिए। तुम्हें उससे निकलने का रास्ता ढूंढना ही होगा। जितनी जल्दी तुम दबाव से निपटना सीखोगे, उतनी ही तेजी से तुम आगे बढ़ोगे। प्रिंस ने आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जॉइंट्स की तरफ से 6 मैच खेले। आईपीएल में उन्होंने सबसे पहलो विकेट ट्रेविस हेड का लिया था। उन्होंने सटीक यॉर्कर से हेड जैसे बेहतरीन सलामी बल्लेबाज का विकेट उड़ा दिया। इस तेज गेंदबाज ने कहा, जब भी मुझे कुछ संदेह ये दबाव महसूस होता है तो मैं उनसे बात करता हूं और वह भी तुरंत मेरी मदद करते हैं। उन्हें पता है कि पलटकर वापसी कैसे करते हैं। जब वह प्रदर्शन नहीं कर रहे थे तब भी उन्होंने टीम या अपने पर उसका असर नहीं दिखने दिया।

व्यापार

अमेरिका के टैरिफ से ट्राइडेंट ग्रूप संकट में , कंपनी का करीब 70 प्रतिशत निर्यात अकेले अमेरिका में

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ से भारतीय टेक्सटाइल कंपनियों को भारी नुक्सान हुआ है। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा टेक्सटाइल उत्पादक देश है। टेक्सटाइल और परिधान उद्योग का 2024 में बाजार आकार लगभग 146.55 अरब यूएस डॉलर का था और 2030 तक 350 अरब यूएस डॉलर तक पहुँचने का अनुमान लगाया जा रहा था। लेकिन अमेरिकी टैरिफ ने इस विकास यात्रा को बड़ा झटका दिया है। देश की जानी मानी टेक्सटाइल कंपनी ट्राइडेंट अमेरिका में होम टेक्सटाइल (बाथ व बेड लिनेन) का निर्यात बड़ी मात्रा में करती है। अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के चलते गंभीर संकट में फंस गई है। अमेरिका ट्राइडेंट ग्रूप के लिए सबसे बड़ा निर्यात बाजार है और कंपनी का करीब 70 प्रतिशत होम टेक्सटाइल (बाथ और बेड लिनेन) निर्यात अकेले अमेरिका में होता है।

अन्य देशों में 20 प्रतिशत और भारत के घरेलू बाजार में लगभग 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। ट्राइडेंट अपने उत्पादों का निर्यात 150 देशों में करता है, जो एशिया, यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अमेरिका जैसे छह महाद्वीपों तक फैला हुआ है। कंपनी के कुल राजस्व का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा निर्यात से आता है, जिसमें अमेरिका की हिस्सेदारी सबसे बड़ी है। 50 प्रतिशत टैरिफ का असर अब मध्यप्रदेश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर साफ दिखने लगा है। राज्य के मंडीदीप और बुधनी लंबे समय से भारत के प्रमुख टेक्सटाइल हब माने जाते हैं। यहां से न सिर्फ घरेलू बाजार बल्कि बड़े पैमाने पर निर्यात भी होता है। ट्राइडेंट के साथ वर्धमान, अनंत स्पिनिंग और सागर मैन्युफैक्चरर्स जैसी कंपनियां अमेरिका में बड़े स्तर पर टेक्सटाइल निर्यात करती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ से ट्राइडेंट ग्रूप की लागत बढ़ जाएगी और अमेरिकी बाजार में इसकी प्रतिस्पर्धा क्षमता कमजोर होगी। इससे न केवल निर्यात प्रभावित होगा बल्कि कंपनी की आय और लाभांश पर भी बड़ा असर पड़ेगा। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि इस झटके के तुरंत बाद भारतीय शेयर बाजार में ट्राइडेंट ग्रूप के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। ट्राइडेंट के शेयर वर्ष 2022 में जहां 60 रूपये तक पहुंच गए थे जबकि आज उनकी कीमत 27 रूपये रह गई है। निवेशकों में घबराहट फैल गई है और कंपनी के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। ट्राइडेंट ग्रूप पहले से ही अमेरिका पर अत्यधिक निर्भर रहा है। वैश्विक व्यापार नीति का असर ट्राइडेंट ग्रूप के भविष्य पर सवाल खड़े कर रहा है। अब कंपनी के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने निर्यात को डाइवर्सिफाइड करने और यूरोप, एशिया और अन्य वैश्विक बाजारों में हिस्सेदारी बढ़ाने की होगी, ताकि अमेरिकी दबाव का असर कम किया जा सके। उद्योग जगत के जानकार मानते हैं कि आने वाले महीनों में ट्राइडेंट ग्रूप को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करना होगा।

तेल एवं गैस के सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं: हरदीप पुरी

नई दिल्ली, केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि भारत ने खेलों के लिए अपनी नीतिगत प्राथमिकता और सार्वजनिक निवेश बढ़ाया है। उन्होंने कहा, "इस संबंध में भारत के तेल एवं गैस क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों ने अग्रणी भूमिका निभाई है।" पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि हरदीप सिंह पुरी ने राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) द्वारा दिल्ली सॉकर एसोसिएशन और सुदेवा अकादमी के सहयोग से यहां आयोजित एक कार्यक्रम में ये बात कही। भारत के खेल क्षेत्र में आए बदलाव पर प्रकाश डालते हुए पुरी ने कहा, "2014 के बाद, भारत को एक 'खेल राष्ट्र' बनाने के लिए ठोस प्रयास किए गए हैं। अब होनहार युवाओं को न केवल वित्त पोषण के मामले में, बल्कि पोषण, खेल विज्ञान और कोचिंग सहित संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में भी, उच्च स्तरीय सफलता प्राप्त करने के लिए भरपूर समर्थन मिल

रहा है।" उन्होंने कहा कि संसद के पिछले सत्र में जो केवल एक हफ्ते पहले ही संपन्न हुआ है, ऐतिहासिक राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025 पारित किया गया है, जिसका उद्देश्य खेल महासंघों और निकायों के प्रशासनिक ढांचे में सुधार करना है - जिससे जवाबदेही बढ़ेगी। पीएसपीबी के योगदान को स्वीकार करते हुए पुरी ने कहा, "इस परिवर्तन को सुनिश्चित करने में मदद करने वाले कई हितधारकों में, पीएसपीबी का विशेष उल्लेख किया जाना चाहिए, जो देश में सबसे बड़े खेल संवर्धन निकायों में से एक है, जिसमें 16 सदस्य संगठन शामिल हैं तथा यह 19 खेल विधाओं में प्रतियोगिताओं का समर्थन और आयोजन करता है।" केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, "परिणाम इन परिवर्तनकारी नीतियों की सफलता को दर्शाते हैं। पिछले दस वर्षों ने यह साबित कर दिया है: 2023 एशियाई खेलों और 2024 पैरा एशियाई खेलों में, हमने क्रमशः 107 और 29 पदक (7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य) के रिकॉर्ड हासिल किए।" उल्लेखनीय है कि 29 अगस्त को भारत का राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है क्योंकि यह भारतीय हॉकी के दिग्गज मेजर ध्यानचंद की जयंती है। इस अवसर पर पीएसपीबी की सदस्य सचिव सबीना चौधरी और सुदेवा दिल्ली एफसी के अध्यक्ष अनुज गुप्ता ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

सोना इस हफ्ते 3,030 महंगा हुआ:चांदी का भाव भी 3,666 चढ़ा; इस साल अब तक 36% तक महंगे हुए

नई दिल्ली ,इस हफ्ते सोने के दाम में बड़ी बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार हफ्तेभर के कारोबार के बाद 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 3,030 रुपए बढ़कर 1,02,388 रुपए पर पहुंच गया। पिछले हफ्ते के आखिरी दिन (शुक्रवार, 22 अगस्त) यह 99,358 रुपए पर था। वहीं, चांदी की कीमत हफ्तेभर में 3,666 रुपए बढ़कर 1,17,572 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। 22 अगस्त को एक किलो चांदी की कीमत 1,13,906 रुपए थी। अभी सोना और चांदी दोनों की कीमतें ऑल टाइम हाई पर हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी में 1.8 फीसदी की गिरावट रही , अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं शेयर बाजार कमजोर हुआ

नई दिल्ली । बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में गिरावट का रुख देखा गया। गणेश चतुर्थी के कारण 27 अगस्त को बाजार बंद रहने के चलते केवल चार कारोबारी दिन थे। इन चार दिनों में बाजार ने मिले-जुले प्रदर्शन के बाद कुल मिलाकर लगभग 1.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। सप्ताह की शुरुआत अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों और आईटी सेक्टर में खरीदारी के चलते सकारात्मक रही, लेकिन अमेरिका की ओर से भारत से आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की मसौदा अधिसूचना जारी होने के बाद बाजार में दबाव बढ़ गया। सप्ताह के पहले दिन सेंसेक्स 285 अंक चढ़कर 81,635 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी ने 91 अंक की बढ़त के साथ 24,967 पर बंद किया। हालांकि, मंगलवार को अमेरिकी टैरिफ की घोषणा के बाद सेंसेक्स 849 अंक गिर गया और निफ्टी भी 255 अंक नीचे आ गया। गुरुवार को भी वैश्विक व्यापार तनाव के चलते सेंसेक्स और निफ्टी क्रमशः 705 और 211 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए। निवेशकों में अमेरिकी आर्थिक नीतियों और व्यापार बाधाओं को लेकर चिंता स्पष्ट रूप से देखी गई। शुक्रवार को बाजार ने थोड़ी मजबूती दिखाई और सेंसेक्स 197 अंक ऊपर खुला, लेकिन अंत में 271 अंक गिरकर

79,809 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 74 अंक गिरकर 24,426 पर बंद हुआ। साप्ताहिक आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं भारतीय शेयर बाजार पर दबाव बना रही हैं। निवेशक अब आगामी सप्ताह में फेडरल रिजर्व की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा पर नजर बनाए हुए हैं, जो बाजार के अगले रुझान को प्रभावित कर सकते हैं।

हवाई अड्डों के पास इमारतों की ऊंचाई तय करने के लिए जल्द ही होगा अध्ययन: नायडू

नई दिल्ली, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने शनिवार को कहा कि आगामी हवाई अड्डों के पास इमारतों की ऊंचाई पर अंकुश लगाने के लिए जल्द ही एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन शुरू किया जाएगा। इसके लिए आईसीएओ विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने यहां के अशोका होटल में नारेडको के 17वें राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। नायडू ने अपने संबोधन में आगामी हवाई अड्डों के आसपास रियल एस्टेट विकसित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकार एयरपोर्ट और उनके आसपास सेवाओं को बढ़ाने के तरीकों पर भी विचार कर रही है। रियल एस्टेट क्षेत्र के संगठन नारेडको के सम्मेलन में नायडू ने

कहा कि भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है। उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में देश में चालू हवाई अड्डों की संख्या 88 बढ़कर 162 हो गई है। सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में 50 नए हवाई अड्डे बनाना है और देश में 350 से ज़्यादा हवाई अड्डे बनाने की क्षमता है।

शिवकार्तिकेयन की फिल्म दिल मद्रासी का दूसरा गाना वरधल्ले रिलीज़, 5 सितंबर को सिनेमाघरों देगी दस्तक

शिवकार्तिकेयन मुरुगादॉस के निर्देशन में बनी मधरासी नामक फिल्म में अभिनय कर रहे हैं। शिवकार्तिकेयन की हाल ही में आई अमरन फिल्म की सफलता को देखते हुए, फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। मुरुगादॉस को इस फिल्म से पूरी उम्मीदें हैं, क्योंकि सलमान खान के साथ उनकी पिछली फिल्म सिकंदर बुरी तरह फ्लॉप रही थी। निर्माताओं ने वरधल्ले नामक दूसरा सिंगल रिलीज़ कर दिया है। वरधल्ले गाने को अनिरुद्ध रविचंदर ने संगीतबद्ध किया है। इस गाने में मधुरता है और इसे बेहद खूबसूरती से फिल्माया गया है। रामजोगय्या शास्त्री ने रोमांटिक गीत लिखे हैं और इसे आदित्य आरके ने प्रभावशाली ढंग से गाया है। अनिरुद्ध रविचंदर, जिन्होंने पहले सिंगल के लिए एक मास नंबर दिया था, इस बार एक रोमांटिक नंबर से सबको चौंका दिया है। सबकी निगाहें फिल्म के ट्रेलर पर टिकी हैं। यह फिल्म हिंदी में दिल मधरसी नाम से रिलीज़ हो रही है। श्री लक्ष्मी मूवीज़ के तहत एन. श्रीलक्ष्मी प्रसाद द्वारा निर्मित इस फिल्म में रुक्मिणी वसंत मुख्य भूमिका में हैं। 'दिल मद्रासी के जरिए शिवकार्तिकेयन पहली बार एआर मुरुगदास की किसी फिल्म में नजर आएंगे। दोनों के पहली बार साथ आने से दर्शक इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म के लिए काफी उत्साहित हैं। फिल्म का निर्माण श्री लक्ष्मी मूवीज के बैनर तले किया गया है। एआर मुरुगदास द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शिनकार्तिकेयन के अलावा रुक्मिणी वासंथ के साथ विद्युत जमवाल, बिजू मेनन, शबीर और विक्रांत सरीखे कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। दर्शक इस फिल्म को 5 सिंतबर को देखने के लिए उत्साहित हैं।

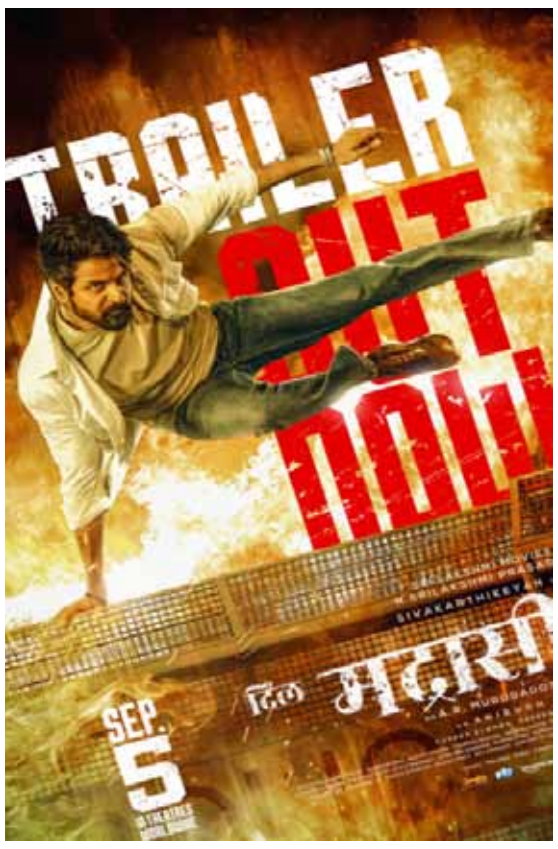

बॉक्स ऑफिस पर ऋतिक रोशन की वॉर 2 का हाल-बेहाल, 15वें दिन का कारोबार रहा सबसे कम

जब साल 2019 में फिल्म वॉर रिलीज हुई थी तो इसने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। इसके बाद से ही दर्शक वॉर 2 का इंतजार कर रहे थे, जो आखिरकार बीते 14 अगस्त को दर्शकों के बीच आई। इस फिल्म से निर्माताओं को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसकी हालत पस्त है। अब वॉर 2 की कमाई के 15वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है। बॉक्स ऑफिस का लेखा-जोखा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, वॉर 2 ने अपनी रिलीज के 15वें दिन 1.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस तरह इस फिल्म ने अब तक भारत में 231.25 करोड़ रुपये कमाए हैं। वॉर 2 ने दुनियाभर में 350.75 करोड़ रुपये से अधिक जुटा लिए हैं। इस फिल्म को बनाने में 400 करोड़ रुपये लगे हैं। बता दें कि बॉक्स ऑफिस पर वॉर 2 का सामना परम सुंदरी और कुली से हो रहा है। वॉर 2 में ऋतिक रोशन, कियारा आडवाणी और जूनियर एनटीआर की तिकड़ी नजर आ रही है। इस फिल्म के जरिए एनटीआर ने बॉलीवुड में कदम रखा है, वहीं ऋतिक फिल्म में कियारा के साथ इश्क फरमाते दिख रहे हैं। वॉर 2 के निर्देशन की कमान अयान मुखर्जी ने संभाली है, वहीं आदित्य चोपड़ा इस फिल्म के निर्माता हैं। यह यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की छठी फिल्म है। वॉर 2 का प्रीमियर जल्द ही नेटफ्लिक्स पर होगा।

अनुभवी कलाकारों की तुलना में इंफ्लुएंसर्स को ज्यादा मौके मिलते हैं : समृद्धि शुक्ला

अभिनेत्री समृद्धि शुक्ला इन दिनों लोकप्रिय टीवी सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है में अपने किरदार को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने डिजिटल क्रिएटर्स के बढ़ते प्रभाव के बारे में अपनी राय रखी। अभिनेत्री ने अकहा कि आज के मनोरंजन जगत में इंफ्लुएंसर्स को अनुभवी कलाकारों की तुलना में ज्यादा मौके मिलते हैं। अभिनेत्री ने बताया, इंफ्लुएंसर्स को मौके तो मिलते हैं, लेकिन वह इसे कितने अच्छे से उपयोग करते हैं, यह तो उनके काम से ही पता चलता है। अगर कोई इंफ्लुएंसर अभिनय में अच्छा है, तो ये अच्छी बात है लेकिन अगर आपका अभिनय उतना अच्छा नहीं है, तो शायद आपको फिर से सोचना चाहिए। यह एक बदलाव है जो मैं देख रही हूं। आज के दौर में दर्शक किस तरह के कंटेंट की ओर आकर्षित होते हैं, इस पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि टीवी पर हम ऐसा अभिनय करते हैं जिससे दर्शक अपने आपको जोड़ पाएं। उन्होंने कहा, आजकल जो शो अच्छे चल रहे हैं, उनके किरदार काफी जाने पहचाने से लगते हैं। अगर ऐसी कहानी है जिसके किरदार उस पर परफेक्ट नहीं बैठ रहे हैं, भले ही वे मुख्य किरदार ही क्यों न हों, उनमें खामियां दिखने ही लगती हैं। समृद्धि ने यह भी बताया कि वह एक अभिनेत्री के रूप में नए-नए किरदारों में खुद को ढलते देखना चाहती हैं। वो हर जॉनर में खुद को साबित करना चाहती हैं। उन्हें थ्रिलर फिल्में देखना पसंद है, लेकिन रोमांटिक कॉमेडी उनकी पसंद है। फिर भी, वह भविष्य में रोम-कॉम किरदार निभाना चाहेंगी। उन्होंने कहा, मुझे थ्रिलर बहुत पसंद है और मैं ओटीटी पर थ्रिलर करना चाहूंगी। लेकिन मैं रोम-कॉम भी करना चाहूंगी, क्योंकि मुझे कॉमेडी करना बहुत अच्छा लगता है। समृद्धि शुक्ला वर्तमान में लोकप्रिय टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है में अभिरा पोद्दार की भूमिका निभा रही हैं। टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है लंबे समय से चलता आ रहा है। इस सीरियल का निर्माण राजन शाही के प्रोडक्शन हाउस डायरेक्टर कुट प्रोडक्शंस के तहत हो रहा है। इस सीरियल में रोहित पुरोहित और समृद्धि शुक्ला मुख्य भूमिका में हैं।

शिल्पा शेट्टी ने श्रीदेवी को किया याद, रीक्रिएट किया चांदनी वाला लुक

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी पर चांदनी का खुमार छाया है। उन्होंने इसकी एक रील अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इस रील में शिल्पा शेट्टी मशहूर अभिनेत्री श्रीदेवी के 'चांदनी लुक को रीक्रिएट करती दिख रही हैं। शिल्पा पीली साड़ी में हूबहू श्रीदेवी जैसी लग रही हैं। वो फिल्म के गाने तेरे मेरे होठों पे गीत मितवा पर डांस भी करती दिखाई दे रही हैं। इस रील के जरिए श्रीदेवी को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें अपना आदर्श बताया है। अभिनेत्री ने इसे शेयर करते हुए पोस्ट में लिखा, मेरी आदर्श श्रीदेवी को श्रद्धांजलि। इस पोस्ट को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वो एक्ट्रेस की तारीफ भी करते दिखाई दिए। चांदनी श्रीदेवी और ऋषि कपूर की एक रोमांटिक फिल्म थी, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा था। इसके गाने हिट थे, और आज भी लोग उन्हें गुनगुनाते दिख जाते हैं। इससे पहले एक पोस्ट में शिल्पा शेट्टी ने बताया था कि इस बार वो गणपति जी को घर नहीं ला रही हैं, इस बात का उन्हें दुख है। शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पर पिछले गणपति उत्सव की एक रील और एक भावुक नोट साझा किया था। शिल्पा ने लिखा, इस साल आपके बिना घर अधूरा सा लग रहा है, लेकिन दिल आपके आशीर्वाद से भरा है। गणपति बाप्पा मोरया, अगले बरस आप जल्दी आना। आगे उन्होंने इसका कारण भी बताया। उन्होंने लिखा, प्रिय मित्रों, अत्यंत दुःख के साथ, हमें आपको यह सूचित करते हुए खेद हो रहा है कि परिवार में किसी के निधन के कारण, इस वर्ष हम गणपति उत्सव नहीं मना पाएंगे। परंपरा के अनुसार, हम 13 दिनों का शोक मनाएंगे और इसलिए किसी भी धार्मिक उत्सव से परहेज करेंगे। आभार सहित, कुंद्रा परिवार। शिल्पा शेट्टी को आखिरी बार फिल्म सुखी में देखा गया था। वो बहुत जल्द कन्नड़ एक्शन ड्रामा फिल्म केडी: द डेविल में नजर आएंगी। इसमें संजय दत्त, ध्रुव सरजा और नोरा फतेही भी अहम किरदार में हैं।

तमन्ना और डायना पेंटी की नई सीरीज डू यू वाना पार्टनर की घोषणा, 12 सितंबर से प्राइम वीडियो पर होगी स्ट्रीम

निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने एक नई सीरीज की घोषणा की है। सीरीज का पहला पोस्टर जारी करते हुए करण ने इसकी रिलीज डेट के बारे में भी जानकारी साझा की है। इस सीरीज में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और डायना पेंटी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगी। करण जौहर ने नई सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर की घोषणा की है। करण ने अपने इंस्टाग्राम पर आज सीरीज का पहला पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर में सीरीज की लीड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और डायना पेंटी नजर आ रही हैं। पोस्टर में दोनों अभिनेत्रियां चश्मा लगाए नजर आ रही हैं। करण ने इसकी रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है, जिसके मुताबिक यह नई सीरीज 12 सितंबर से प्राइम

वीडियो पर स्ट्रीम करेगी। हालांकि, अभी तक सीरीज के बारे में और जानकारी तो सामने नहीं आई है और न ही इसकी कास्ट का पता चला है। लेकिन करण जौहर ने अपनी पोस्ट में तमन्ना और डायना के अलावा नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, जावेद जाफरी, नीरज काबी और रणविजय जैसे सितारों को भी मेंशन किया है। जिससे ये उम्मीद जताई जा रही है कि ये सितारे भी सीरीज का प्रमुख हिस्सा हो सकते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो तमन्ना को आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'ओडेला 2 में देखा गया था। वहीं अजय देवगन की फिल्म 'रेड 2 में भी उनका एक शानदार आइटम सॉन्ग देखने को मिला था। वहीं डायना पेंटी की बात करें तो वो आखिरी बार दिलजीत दोसांझ के साथ फिल्म 'डिटेक्टिव शेरदिल में नजर आई थीं। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का टीजर जारी, वरुण धवन और जाह्नवी कपूर ने जीता दिल

वरुण धवन और जाह्नवी कपूर स्टारर रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का टीजर रिलीज हो गया है. सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के टीजर में वरुण और जाह्नवी की कॉमेडी केमिस्ट्री देखी जा रही है. फिल्म का निर्देशन शंशाक खैतान किया है, जो वरुण के साथ पहले भी फिल्म कर चुके हैं. वरुण और जाह्नवी फिल्म बवाल के बाद दूसरी बार बड़े पर्दे पर साथ में आ रहे हैं. इस फिल्म का टीजर बड़ा ही मजेदार हैं, जिसमें प्रभास के बाहुबली लुक की भी झलक दिख रही है. सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का टीजर 53 सेकंड का है, जो वरुण धवन के कॉमेडी अंदाज के साथ शुरू होता है. टीजर के पहले सीन में वरुण धवन को बाहुबली के कॉस्ट्यूम में देखा जा रहा है, जिसमें उनका फनी अंदाज दिख रहा है. इसके बाद जाह्नवी कपूर और रोहित सराफ की दमदार एंट्री होती है और फिर इन तीनों के बीच कन्फ्यूजन की अलग ही खिचड़ी पकती है. वहीं, प्लेन में वरुण धवन ने जाह्नवी कपूर पर जोरदार पंच मार उनका मजाक बनाया है. सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का टीजर रोमांटिक कम और फनी ज्यादा है. सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा. फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी आगामी 2 अक्टूबर को रिलीज होने जा रही है. इस दिन साउथ सिनेमा से मच अवेटेड फिल्म कांतारा चैप्टर 1 भी रिलीज होने जा रही है. सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के डायरेक्टर शशांक खैतान हैं, जो धड़क और बद्रीनाथ की दुल्हनिया जैसी फिल्मों के लिए मशहूर हैं. सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की स्टार कास्ट में वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, रोहित सराफ, सान्या मल्होत्रा और मनीष पॉल अहम किरदारों में नजर आएंगे.

India-Japan partnership will open new avenues for investment, startup partnerships and skilled professionals: PM Modi

New Delhi: In a special interaction with the governors of Japan on Saturday, the Prime Minister stressed on strengthening the historical relations between India and Japan and increasing cooperation between the two countries. During this, he said that this meeting is a happy occasion for him, because the governors of Japan are a living symbol of the diversity and energy of their regions. In his address, the Prime Minister said, "I feel that this room has the dynamism of Saitama, the strength of Miyagi, the vibrancy of Fukuoka and the fragrance of the heritage of Nara. All of you have the warmth of Kumamoto, the freshness of Nagano, the beauty of Shizuoka and the pulse of Nagasaki. All of you embody the strength of Mount Fuji and the spirit of Sakura, which make Japan timeless. The relationship between India and Japan is thousands of years old, linked to the compassion of Lord Buddha and the courage of heroes like Radhabinod Pal." Citing the example of his home state Gujarat, he said that in the last century, Gujarati diamond traders came to Kobe, while Hama-Matsu companies brought revolution in India's automobile sector. This entrepreneurship connects the two countries. Today, new chapters are being written in the fields of trade, technology, tourism, security, skill and culture, which are not limited to Tokyo or Delhi, but are alive in the thinking of states and provinces. Referring to his 15 years as Gujarat Chief Minister, the Prime Minister said that he focused on policy-based governance, promotion of industry, strong infrastructure and creating an environment for investment, which is today known as the "Gujarat Model". After becoming Prime Minister in 2014, he incorporated this thinking in the national policy. He instilled a sense of competition in the states and made them a platform for national development. Like the provinces of Japan, every state of India has its own identity, somewhere it has a beach, somewhere it has mountains. To convert this diversity into advantage, the 'One District One Product' campaign, the Aspiring Districts-Blocks program, and the 'Vibrant Village Program' were started to bring remote villages into the mainstream, which are now becoming centers of development. Describing the responsibility of the governors of Japan as important, he said that their provinces are centres of technology, manufacturing and innovation, many have economies bigger than many countries. Therefore, the future of international cooperation is in their hands. He talked about taking the existing partnerships Gujarat-Shizuoka, Uttar Pradesh-Yamanashi, Maharashtra-Wakayama, Andhra Pradesh-Toyama from paper to people and prosperity. Under the 'State-Province Partnership Initiative' launched with Prime Minister Ishiba, delegations from three Indian states and three Japanese provinces will visit each other every year. He invited the Governors to visit India and called for cooperation for shared progress. He said that startups and MSMEs from small cities in Japan and India can come together to exchange ideas, innovate, and create opportunities. With this idea in mind, the Business Exchange Forum is being started in Kansai, which will open new avenues for investment, startup partnerships, and skilled professionals. Emphasising on youth connection, the Prime Minister said that an action plan has been launched to bring Indian students to Japan's world-renowned universities and exchange five lakh people in the next five years. Also, there is a plan to send 50,000 Indian skilled professionals to Japan, in which the provinces will play an important role. He expressed hope that Tokyo and Delhi will take the lead and Kanagawa-Karnataka, Aichi-Assam, and Okayama-Odisha will work together to create new industries, skills, and opportunities.

Brief news

Asaram, who is serving sentence in rape case, surrendered in Jodhpur jail after completion of interim bail period

Jodhpur: Asaram, who is serving life sentence in the case of raping a minor, surrendered in Jodhpur Central Jail on Saturday, August 30. He had to take this step after the Rajasthan High Court refused to extend the period of his interim bail on August 27. Asaram got interim bail for the first time after 12 years in January 2025. He had sought bail citing health reasons. A division bench of Justice Dinesh Mehta and Justice Vineet Kumar Mathur said in its decision that according to the report of the medical board, Asaram's health is stable and he does not need hospitalization or constant medical care. The medical board of Ahmedabad Civil Hospital had stated in its report that Asaram had made several trips for treatment in the last few months and consulted hospitals in different cities, but did not undergo regular follow-up in any hospital. The court also rejected the argument of Asaram's lawyer, in which he had cited the report of AIIMS Jodhpur and talked about deterioration in his health.

Harsimrat Kaur Badal bowed her head in Sachkhand Sri Harmandir Sahib, expressed concern about the flood

Amritsar: Shiromani Akali Dal leader and Bathinda MP Harsimrat Kaur Badal reached Sachkhand Sri Harmandir Sahib on Saturday. During this, she offered prasad to the Akhand Paaths and started new Akhand Paaths. After this, while talking to the media, she expressed concern over the natural disaster in Punjab and the problems of the people. Harsimrat said, people of Punjab are facing very difficult circumstances today. I can't sleep at night after seeing the victims on social media. Targeting Chief Minister Bhagwant Mann, he said, whenever there was a natural disaster earlier, the government used to issue helpline numbers so that people could contact for food, medicine, boat or other help. If toilets can be inaugurated in schools, then today it is also necessary to issue helpline numbers for the needy. He demanded immediate action from Aam Aadmi Party convenor Arvind Kejriwal and Punjab Chief Minister Mann. Also, he requested Home Minister Amit Shah to send NDRF teams to Punjab so that the flood-affected people get timely help. Harsimrat also urged Prime Minister Narendra Modi to help the flood victims. She said, just like the army is sent to other states, the army should be sent to Punjab to save people's lives. She questioned why BJP leaders had gone to villages a few weeks ago to explain their plans, but why are they not seen in flood-affected areas today. She demanded big boats from the Centre, which can go to far-flung villages and take people and livestock to safer places. If the Chief Minister does not release the helpline number within 24 hours, she will request Shiromani Akali Dal President Sukhbir Singh Badal to release the party's own number. He said that the Akali Dal and the Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee are making every possible effort to serve the public and will continue to do so in the future too.

Rajsamand MLA Dipti Maheshwari injured in a road accident

Rajsamand: Bharatiya Janata Party leader and Rajsamand MLA Dipti Maheshwari's car met with a horrific accident on the Udaipur-Rajsamand highway on Saturday morning. This accident happened near the tunnel on the highway in Delwara police station area. It is being told that this incident happened when the MLA was going to Udaipur after completing her political programs. In this accident, MLA Deepti Maheshwari, her gunman and driver were seriously injured. As soon as the information about the accident was received, the local people and the police took immediate action and took the injured to Geetanjali Hospital in Udaipur, where their treatment is going on. Initial investigation has revealed that the MLA has a fracture in his shoulder, while the condition of the other injured is also said to be critical. A team of doctors is monitoring their health. The cause of the accident has not been known yet. But, the police have started the investigation. As soon as the news of the incident was received, there was a stir in the area.

Former Vice President Jagdeep Dhankhar is in the news again, applied for pension; submitted application in Rajasthan Assembly

New Delhi: Former Vice President Jagdeep Dhankhar has applied for pension in the Rajasthan Assembly. Dhankhar was elected MLA from Kishangarh seat of Ajmer district on a Congress ticket in 1993. Being an MLA, he now has the right to pension from the Assembly. Dhankhar is currently 74 years old. According to the rules, he will get a monthly pension of about 42 thousand rupees from the Rajasthan Assembly. There is a provision of double and triple pension for leaders in Rajasthan. That is, if a person has been both an MP and an MLA, then he gets the benefit of pension of both the posts. This is the reason why many former leaders take pension of different posts simultaneously. Assembly Speaker Vasudev Devnani has confirmed that Dhankhar's pension application has been received by the Assembly and the process is going on. It is worth noting that Jagdeep Dhankhar had recently suddenly resigned from the post of Vice President. On July 21, he wrote a letter to President Draupadi Murmu informing her about his resignation. In his letter, he cited health reasons as the reason for his resignation. His move created a stir in the country's politics because his term had not yet ended. The opposition is constantly attacking the central government over Dhankhar. In the Lok Sabha, Rahul Gandhi had raised the question that why those whose voices used to resonate in the Rajya Sabha have suddenly gone completely silent. He said that everyone is asking where the former Vice President is and why he is not coming forward. Kapil Sibal also quipped that till now he had heard about 'missing ladies', but this is the first time he has heard the story of a 'missing Vice President'. He had appealed to the opposition to be vigilant about Dhankhar's security. Sibal said that he had contacted Dhankhar's personal secretary on the first day, where he was only told that he was resting. After this, neither did he talk to him nor did any official information come out. Even his current location was not known to anyone.

ED tightens its grip against BPTP Limited in FEMA violation case

Gurugram: The Enforcement Directorate (ED) gave information about the operation conducted at several places in Delhi-NCR and Noida. According to the ED, the zonal office located in Gurugram conducted a search operation at several places in Delhi-NCR and Noida on 26 and 27 August 2025 under the Foreign Exchange Management Act (FEMA), 1999. The ED has taken this action in connection with the investigation of FEMA violations against Faridabad, Haryana based real estate company M/s BPTP Limited (formerly M/s Business Park Town Planners Private Limited). According to the ED, searches were conducted at the offices of BPTP Limited and the residences of its chairman and managing director Kabul Chawla and whole-time director Sudhanshu Tripathi. The investigation has been initiated under FEMA (Foreign Exchange Management Act). It was learnt that BPTP Limited received foreign direct investment (FDI) of more than Rs 500 crore from Mauritius companies, which is a violation of FEMA rules. Investigation revealed that the company received FDI of Rs 322.5 crore from CPI India Limited of Mauritius and Rs 215 crore from Harbour Victoria Investment Holding Limited. The ED investigation revealed that these investments were made in 2007-08 through the automatic route, which involved put/swap options. These options gave foreign investors guaranteed returns on withdrawal, which was a violation of FEMA rules of the time. During the searches, bank lockers were frozen and crucial documents and digital evidence were seized. These documents revealed that despite clear directions from the Reserve Bank of India (RBI) to amend the shareholder agreement and remove the put option clause, BPTP Ltd did not comply, thereby violating FEMA and FDI norms.

CM Yogi and Defense Minister Rajnath Singh will visit Noida, will inaugurate defense equipment and drone manufacturing unit

Noida: India's Defense Minister Rajnath Singh and Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath are arriving on a visit to Noida today. During this, they will land at Sector-113 helipad at around 3:40 pm. Under the program, the Defense Minister and the Chief Minister will inaugurate the defense equipment and drone manufacturing unit here. Apart from this, the Chief Minister will also review the development works being carried out by Noida Authority and Yamuna Authority. In view of this VVIP visit, the district administration and police have made tight security arrangements. According to the information, Noida Police and Traffic Department started deployment on the main routes since morning. Barricading has been done at various places so that no vehicle can reach near the venue without checking. About 1000 policemen have been deployed in different areas. A diversion plan has also been implemented to keep the traffic system smooth. Police officials say that any kind of lapse regarding the security of the Chief Minister and Defense Minister will not be tolerated. This is the reason why teams of police, PAC and intelligence department are active on the routes from the helipad to the venue and its surroundings. Apart from this, surveillance is also being done with drone cameras. There is enthusiasm in the industry regarding the inauguration of the drone and defense equipment manufacturing unit.

It is believed that this step will give a new direction to 'Make in India' and 'Atmanirbhar Bharat'. This unit will not only strengthen the country in the defense sector but will also create new employment opportunities for the youth. The local administration says that information has already been given on the routes so that the movement of the general public is not affected much. Since morning, the police and traffic department teams have been active and giving information about alternative routes to the drivers.

Union Minister Ashwini Vaishnav inaugurated tempered glass manufacturing unit

Noida: Strengthening Prime Minister Narendra Modi's Make in India campaign, Union Minister of Railways, Communications and Electronics and Information Technology Ashwini Vaishnav inaugurated the tempered glass manufacturing unit in Noida Sector-68. With the start of this unit, the manufacturing of electronic products in India is expected to get a new impetus. During the program, the Union Minister said that in the last 11 years, India's electronics industry has made unprecedented development. He said, when Prime Minister Modi launched Make in India in 2014, electronic production and export were very limited, but today the production has increased 6 times and export has increased 8 times. Till now India had to import tempered glass, but through this new manufacturing unit, it will be possible to produce it on a large scale in the country itself. It is estimated that this unit will manufacture 2.5 crore tempered glasses every year, which will be used on a large scale in laptops, routers, smartphones, hardware and other electronic devices. Ashwini Vaishnav also said that India is now moving rapidly towards becoming completely self-reliant in the electronics manufacturing sector. The electronic ecosystem developed in India is not only meeting the domestic needs, but the demand for Indian products is also constantly increasing in the international market. On this occasion, he also emphasized that the electronic manufacturing industry has so far provided employment to about 25 lakh people in the country. This employment is directly as well as indirectly, lakhs of people are associated with this industry. Experts believe that such units will free India from dependence on imports and will also strengthen the country's economy. The launch of these manufacturing units in industrial areas like Noida will accelerate the industrial development of not only Uttar Pradesh but the entire country.

Cloudburst causes devastation in Ramban, 4 dead, one missing, relief work intensified

Jammu: Cloudburst has caused massive destruction in Jammu division. So far four people have died in this incident, while one is reported missing. The administration and rescue team have intensified relief and rescue work in the area. Union Minister Jitendra Singh has expressed grief over the deaths in this incident. The Union Minister gave information about the rescue operation on the social media platform 'X' post. Wrote, "Just spoke to Ramban DC Mohammad Alyas Khan. Four people have died tragically due to cloudburst in Rajgarh area. The fifth person is missing and his search is on. Meanwhile, no one is injured. Rescue operations are on. All possible assistance is being provided. I am in constant touch." Jammu division has once again faced a natural disaster. On Saturday, three people were initially killed due to cloudburst in Rajgarh tehsil area of Ramban district, however later the number increased to five, while one is missing. Administration and rescue teams are present on the spot and relief and rescue work has been intensified. According to the information received, a cloud burst in Rajgarh area in the early hours of Saturday, due to which some villages were hit. This incident caused massive devastation in the area. Many houses were damaged due to the strong current, some were completely washed away. Rescue teams were immediately sent to the spot and the search operation is on to find the missing people.